दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K
RNI No.61546/95
क्षितिज ✌ किरण
त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे
नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र
प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-42 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 21 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

प्रीमियम पेट्रोल हुआ महंगा, एचपीसीएल ने 2.3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई कीमत

नईदिल्ली,(ए.)। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के बीच हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी की है।रिपोर्ट के अनुसार, एचपीसीएल ने अपने प्रीमियम-ग्रेड पावर पेट्रोल की कीमत में 2.3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि रेगुलर पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

यह बढ़ोतरी सिर्फ हाई-ऑक्टेन यानी प्रीमियम पेट्रोल पर लागू होती है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर परफॉर्मेंस या महंगी गाड़ियों में किया जाता है। ऐसे में सामान्य बाइक और कार चलाने वाले ज्यादातर लोगों पर इसका सीधा असर नहीं पड़ेगा। जिन गाड़ियों में खास तरह का ईंधन इस्तेमाल होता है, उन्हीं पर इसका प्रभाव देखने को मिलेगा और उनका खर्च थोड़ा बढ़ सकता है, जिससे कुछ यूजर्स पर असर भी पड़ेगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस तरह के बदलाव अक्सर अंतरराष्ट्रीय हालात और कच्चे तेल की कीमतों से जुड़े होते हैं। प्रीमियम पेट्रोल की कीमत बढ़ाने से कंपनी अपने खर्च और मुनाफे को संतुलित करने की कोशिश करती है। हालांकि, आम लोगों को राहत देने के लिए रेगुलर पेट्रोल की कीमत स्थिर रखी गई है।

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग के कारण एलपीजी की किल्लत बढ़ने लगी...

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी, लेकिन हालात चिंताजनक, हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, सरकार की अपील...

नई दिल्ली (ए.)। इजरायल-ईरान युद्ध को 20 दिन पूरे हो गए हैं, इस दौरान होर्मूज स्ट्रेट से क्रूड और गैस के 9 जहाज ही गुजरे हैं। ऐसे में दुनिया के साथ भारत में भी एलपीजी गैस की कमी बनी हुई है, ऐसे में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी की स्थिति अभी भी गंभीर है, सरकार आपूर्ति करने की कोशिश कर रही है। सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं तक 100त्न एलपीजी पहुंचाई जा रही है। हालांकि हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के हिसाब से ही गैस बुक करें।

सिजेआई ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सिजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। सिजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ को आज मामले की सुनवाई करनी थी, लेकिन सिजेआई ने खुद को इससे अलग करने का विकल्प चुना। यह मामला सीईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने वाले कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं से जुड़ा है।बार एंड बेंच के मुताबिक, सिजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा क्या मुझे इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए? कोई मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगा सकता है। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने सुझाव दिया कि मामले को ऐसी पीठ के सामने रख सकते हैं, जिसमें कोई न्यायाधीश भावी सिजेआई बनने की कतार में न हों। तभी सिजेआई सूर्यकांत ने सुझाव को स्वीकार कर कहा, मेरे मन में यही बात थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा के वृन्दावन में रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया।

सरकारी बस ने डिवाइडर तोड़कर टेंपो और बाइक में मारी टक्कर, गर्भवती महिला समेत 8 की मौत

सेलम (तमिलनाडु(आरएनएस)। सरकारी बस, टेंपो और बाइक की टक्कर में एक गर्भवती महिला समेत आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मरने वालों में सेल्वराज, मुरुगन, अमुथा, निथिशका, जीविका और गर्भवती सत्य टेंपो में सवार थे. इनके अलावा दोपहिया वाहन पर जा रहे इरुसायी और मणिकंदन की भी जान चली गई. आशंका है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है.20 मार्च की दोपहर यात्रियों को लेकर एक सरकारी बस कोयंबटूर सेंट्रल बस स्टैंड से सेलम की ओर जा रही थी. बस जब बेंगलुरु-कोयंबटूर नेशनल हाईवे पर उथमाचोलापुरम इलाके से गुजर रही थी, तभी ड्राइवर ने अचानक वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

आगरा में दर्दनाक हादसा, श्रद्धालुओं की बोलेरो पेड़ से टकराई, दंपती समेत 5 लोगों की मौत

आगरा (आरएनएस)। कैला देवी से दर्शन कर लौट रहे इटावा के श्रद्धालुओं की बोलेरो गुरुवार रात चित्राहट के गांव पई के पास सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मृत्यु हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में दंपती, बेटी, पिता व चालक शामिल हैं। घायलों को सैफई मेडिकल कालेज के हास्पिटल में भर्ती कराया गया है।इटावा निवासी एक ही परिवार के आठ लोग बुधवार को बोलेरो कार से कैला देवी के दर्शन करने के लिए राजस्थान गए थे।

तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर से टकराई, छत्तीसगढ़ के 2 लोगों की मौके पर मौत

अनूपपुर ,(आरएनएस)। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कोतमा थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर सलीम ढाबा के पास तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में चार ड्रम डीजल भरा हुआ था और वह सड़क पर आगे चल रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार (छ्त्र 07 रू1454) नियंत्रण खो बैठी और सीधे ट्रैक्टर में जा घुसी। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खेत में जा पलटी।

प्लीज हमें पानी दे दो... सिंधु जल संधि पर U N में रोया पाकिस्तान, भारत ने कहा- पहले हरकतें सुधारो

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच जल विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के बाद पाकिस्तान लगातार इसे बहाल करने की मांग कर रहा है और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भी पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया, जबकि कार्यक्रम का मुख्य विषय सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना था।इस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि संधियों की पवित्रता की बात करने से पहले पाकिस्तान को मानव जीवन की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद

नहीं करता, तब तक संधि निलंबित रहेगी।

हरीश ने यह भी कहा कि भारत हमेशा एक जिम्मेदार ऊपरी तटीय देश रहा है, लेकिन जिम्मेदारी दोनों पक्षों से निभाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने भारत पर युद्ध थोपे और हजारों आतंकवादी हमलों को बढ़ावा दिया, जिससे निर्दोष नागरिकों की जान गई।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि पर मूल रूप से सद्भावना और सहयोग की भावना से हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन समय के साथ परिस्थितियों में बदलाव आया है। पिछले 65 वर्षों में तकनीक, जनसंख्या और पर्यावरण में हुए बदलावों को देखते हुए संधि में संशोधन की आवश्यकता बताई गई, हालांकि पाकिस्तान ने इस पर बातचीत से इनकार कर दिया।

भारत ने 1960 में हुई इस संधि को पिछले वर्ष पहलगाम हमले के बाद निलंबित किया था। इस हमले की जिम्मेदारी 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन ने ली थी, जिसे लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में भारत ने यह भी रेखांकित किया कि वह सुरक्षित जल और स्वच्छता से जुड़े सतत विकास लक्ष्यों को प्राथमिकता देता है।

ईद की मुबारकबाद

दैनिक क्षितिज किरण परिवार की ओर से ईद की सभी पाठकों को मुबारकबाद

-संपादक

अवकाश की सूचना

दैनिक क्षितिज किरण के कार्यालय में दिनांक 21 मार्च 2026 को ईद के अवसर पर अवकाश रहेगा।

-प्रबंधक

चेटीचंड पर्व अखंड भारत की याद दिलाकर भारतीयों के हृदय में जागृत रखता है अखंड भारत का सपना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाबा श्री महाकाल की नगरी से देश, प्रदेशवासियों को दी चेटीचंड महापर्व की मंगलकामनाएं

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चेटीचंड का पर्व अखंड भारत की याद दिलाता है और भारतीयों के हृदय में अखंड भारत का सपना जागृत रखता है। सामाजिक उत्सवों से एक दूसरे के प्रति प्रेम और आत्मीयता बढ़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य को उनकी वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता के लिए याद किया उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य से प्रेरित होकर शासन उन गुणों को आत्मसात कर सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन

के टावर चौक पर चेटीचंड महापर्व पर आयोजित सिंधी समाज के चल समरोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत 2083 में बाबा श्री महाकाल की नगरी से देश एवं प्रदेशवासियों को चेटीचंड के महापर्व की मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश विकास के नवीन आयाम स्थापित कर रहा है। सिंहस्थ 2028 के लिए सरकार नवीन विकास के कार्य कर रही है। सभी गणमान्य नागरिक भी विकास कार्यों में अपना योगदान दे रहे है। आगामी सिंहस्थ के दिव्य आयोजन से प्रदेश और उज्जैन की वैश्विक पटल पर नवीन पहचान स्थापित होगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवा ध्वज लहराकर चल समारोह का शुभारंभ किया।

नदी में रेत खोद रहे थे मजदूर, तभी निकला 227 किलो का अमेरिकी बम; डिफ्यूज करने के लिए सेना की ली जा रही मदद

पूर्वी सिंहभूम(आरएनएस)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में उस वक्त भारी दहशत फैल गई, जब सुवर्णरेखा नदी के किनारे बालू और मिट्टी के नीचे दबा एक विशालकाय अमेरिकी बम बरामद हुआ। गैस सिलेंडर के आकार का यह 'अनएक्सप्लोडेड ऑर्डनेंस' (जिंदा बम) इतना खतरनाक है कि इसे देखकर मौके पर पहुंचे बम निरोधक दस्ते ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए। बम पर स्पष्ट रूप से 'AN-M64' मॉडल और 'मेड इन अमेरिका' लिखा हुआ है। करीब 500 पाउंड (लगभग 227 किलोग्राम) वजनी इस विनाशकारी बम को लेकर जानकारों का मानना है कि यह द्वितीय विश्व युद्ध (Second World War) के दौर का हो सकता है। बम निरोधक दस्ते ने स्पष्ट कर दिया है कि इसे केवल सेना के विशेषज्ञ ही डिफ्यूज कर सकते हैं।यह खौफनाक बम तब सामने आया जब सुवर्णरेखा नदी के किनारे रेत के अवैध खनन के दौरान एक मजदूर का फावड़ा किसी भारी लोहे की चीज से टकराया। जब इसे बाहर निकालने के लिए आसपास की मिट्टी हटाई गई, तो विशाल सिलेंडरनुमा बम देखकर मजदूरों के पसीने छूट गए।

जोधपुर-श्रीनगर समेत 4 हवाई अड्डे होंगे बंद; रनवे पर होगा काम, कितनी उड़ानों पर पड़ेगा असर?

नईदिल्ली(आरएनएस)। देशभर के 4 हवाई अड्डे को मार्च के अंतिम में बंद कर दिया जाएगा। इसमें जोधपुर, श्रीनगर, पुणे हवाई अड्डा और आदमपुर सैन्य अड्डा शामिल है। बताया जा रहा है कि हवाई पट्टी पर मरम्मत का काम होने के कारण यहां से उड़ान सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। सबसे पहले 29 मार्च से जोधपुर हवाई अड्डा बंद होगा। बता दें कि ये हवाई अड्डे भारतीय वायुसेना द्वारा संचालित हैं और चरणबद्ध हवाई पट्टी रिकरपेटिंग योजना का हिस्सा है।राजस्थान के जोधपुर हवाई अड्डे पर 29 मार्च से 27 अप्रैल तक काम चलेगा। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर हवाई अड्डे पर अगस्त से अक्टूबर तक चरणों में काम चलेगा। श्रीनगर में अक्टूबर तक सप्ताह में 2 दिन उड़ानें बंद रहेंगी। इसके बाद 6 अक्टूबर से 5 नवंबर तक हवाई अड्डा पूरा बंद रहेगा। पुणे हवाई अड्डे के बंद करने की तारीख की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। आदमपुर एयर बेस अक्टूबर या नवंबर से करीब 8 महीने तक बंद रहेगा।ये हवाई अड्डे नागरिक-सेना दोनों के इस्तेमाल के लिए है, इसलिए हवाई पट्टी को उसी तरह उच्च तकनीक मानक पर बनाए रखना जरूरी है। इससे कई उड़ानों के प्रभावित होने की संभावना है। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जोधपुर से 28 मार्च के बाद की बुकिंग रोक दी है। यहां से कई शहरों की प्रतिदिन 28 उड़ानों का आवागमन है। पुणे से 45, श्रीनगर से प्रतिदिन 26 उड़ानों का आवागमन है।

एनसीईआरटी बुक विवाद मामला

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को विशेषज्ञ समिति के सदस्यों की दी जानकारी

नईदिल्ली, (आरएनएस)। एनसीईआरटी किताब विवाद मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को विवादित चैप्टर की समीक्षा कर रही विशेषज्ञ समिति के सदस्यों की जानकारी दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने देश के सर्वोच्च न्यायलय को बताया कि वरिष्ठ वकील और पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस इंदु मल्होत्रा और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के निदेशक समिति के सदस्य होंगे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस भी विशेषज्ञ समिति के सदस्य होंगे।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अध्याय को फिर से लिखे जाने के संबंध में एनसीईआरटी के रुख पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने एनसीईआरटी के निदेशक द्वारा दाखिल हलफनामे का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि संशोधित अध्याय आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शामिल किया जाएगा और लागू पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचे के अनुसार विद्यालयों में कक्षा में पठन-पाठन के लिए इसका इस्तेमाल किया जाएगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा था, हम एनसीईआरटी के निदेशक द्वारा हलफनामे के पैरा 15 में व्यक्त किए गए रुख से भी उतने ही चिंतित हैं।

पीठ ने कहा था, हम निर्देश देते हैं कि यदि विषय की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 4 को किसी भी प्रकार से फिर से लिखा गया है, तो उसे तब तक प्रकाशित नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों वाली एक समिति द्वारा अनुमोदित नहीं किया जाता है।

बता दें कि हाल में ही सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी किताब विवाद मामले में केंद्र सरकार को डोमेन एक्स्पर्ट कमेटी के गठन का आदेश दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, एक सप्ताह के भीतर डोमेन विशेषज्ञों की एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए और कानूनी अध्ययन पर सामग्री तैयार करने के लिए नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी, भोपाल से भी परामर्श लिया जाए।

भारत में बैक टू बैक भूकंप के दो झटके, घरों से बाहर निकले लोग

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारत में एक बार फिर भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के सिक्किम के गंगटोक में भूकंप के दोनों झटके महसूस किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक दोनों भूकंपों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 और 2.7 दर्ज की गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, 3.6 तीव्रता का भूकंप सुबह 4:26 बजे गंगटोक से लगभग 10.7 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 5 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जबकि दूसरा भूकंप शहर से 11.2 किलोमीटर पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों ने बताया कि हिमालयी राज्य के किसी भी हिस्से से किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है।हाल के दिनों में देश-दुनिया के कई इलाकों में भूकंप की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हमारी धरती के भीतर 7 टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार अपने स्थान पर घूमते रहती हैं। हालांकि, कभी-कभी इनमें टकराव या घर्षण भी होता है। इसी कारण धरती पर भूकंप की घटनाएं देखने को मिलती हैं। इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम जनजीवन को उठाना पड़ता है। भूकंप से मकानें गिर जाती हैं, जिसमें दबकर हजारों लोगों की मौत हो जाती है।भूगर्भ विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के कुल भूभाग के लगभग 59 फीसदी हिस्से को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है।

आनंद एक ऐसी सुखानुभूति है, जो अर्थ क्रय से नहीं, अंतस से होती है अनुभूत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दूजे के सुख में भी स्व का आनंद ढूंढ़ना है भारतीय संस्कृति की चेतना का आधार

मुख्यमंत्री ने आनंदोत्सव के विजेताओं को किया पुरस्कृत

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढ़ते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में मिलिंद कुमार को प्रथम, शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया। वीडियोग्राफी विधा में सैयद अफजान को प्रथम, राजा खान को द्वितीय एवं जीवन रजक को तृतीय पुरस्कार दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें, यही सनातन संस्कृति की चेतना का आधार है। हम सभी को अपने कार्यों को पूरे आनंद, उत्साह और दक्षता के साथ संपादित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आनंद के आयाम, हमारे सुख और दु:ख के बीच के अंतर को समझने से पता चलते हैं। आदिकाल से भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है, जिसमें परिवार की धारणा को विशेष महत्व दिया गया है। वर्ष 1956 के विश्व हिंदू सम्मेलन में मार्गेट थेचर ने भारत और इंग्लैंड की संस्कृति का मूल अंतर सबको समझाया था। उन्होंने कहा था कि भारतीय परिवारों की व्यवस्था में अगर कोई एक सदस्य भी कमाई करता है तो पूरा परिवार आनंद और सम्मान के साथ जीवन जीता है। यह दुनिया में सिर्फ भारत में ही संभव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण, माता देवकी के जीवन में भारी कष्टों से निवृत्ति के बाद मिले आनंद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यशोदा मैया और नंद बाबा ने कन्हैया के लालन-पालन में ही आनंद की अनुभूति की। उन्होंने कभी ये नहीं सोचा कि यह किसी और का शिशु है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुख और दुःख बिना विचलित हुए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। जबकि महाभारत में उन्हीं के सैनिक उनके सामने युद्ध लड़ रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के आयोजन में साधु-संत भीषण गर्मी में अग्नि स्नान करते देखे जाते हैं। उनके शरीर पर मौसम और कांटों तक का कोई असर नहीं पड़ता है, क्योंकि वे भगवान के समीप साधना के मार्ग से आनंद में डूबते हैं। सनातन संस्कृति में हमारे संत अग्नि वस्त्र धारण कर समाज की कई उलझनों को दूर करने के लिए अपने जीवन का निचोड़ देते हैं। हरिद्वार से आए महर्षि मधुसूदन जी महाराज ने कहा कि संसार के भौतिक जगत को मापने का मापदंड मैटा फिजिक्स तय करती है। इसके दो भागों में संसार के तत्व ज्ञान और ब्रह्म ज्ञान का अध्ययन किया जाता है। आनंद की प्राप्ति के लिए वेदांत में कई स्थानों पर उल्लेख मिलता है। आनंद ही ब्रह्म है, जो पूरे संसार को गति प्रदान करता है। देश की गुलामी के समय बेलियम हेस्टिंग ने गीता को पढ़कर कहा था कि भारत अब लंबे समय तक गुलाम नहीं रहेगा, क्योंकि उन्होंने गीता में आनंद के तत्व ज्ञान को जाना था। बाद में गीता लंदन पहुंची और वहां हर विचारधारा के विद्वानों ने गीता को हाथों हाथ लिया। अमेरिका के विद्वान भी गीता के ज्ञान को परफेक्शन के रूप में देखा है। परफेक्शन अभ्यास से ही आता है।

अलविदा जुमा पर इबादत में डूबा शहर, मस्जिदों में उमड़ी भीड़, अमन-चैन के लिए मांगी दुआएं

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रमजान के पवित्र महीने के आखिरी शुक्रवार 'अलविदा जुमा' पर शहर में गहरी आस्था और इबादत का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मस्जिदों के बाहर नमाजियों की भीड़ जुटने लगी और दोपहर तक प्रमुख मस्जिदें पूरी तरह भर गईं।शहर की ऐतिहासिक ताज-उल-मसाजिद, मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की। इस दौरान देश में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। अलविदा जुमा के मौके पर नमाजियों में खासा उत्साह नजर आया। कई लोगों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर भी नमाज अदा की। मस्जिदों के आसपास व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन और सामाजिक संगठनों की सक्रियता भी देखने को मिली।धर्मगुरुओं ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान आत्मसंयम, सब्र और नेक रास्ते पर चलने का संदेश देता है। इस महीने में अपनाई गई अच्छाइयों को पूरे साल जारी रखना ही इसकी असली भावना है। नमाज के बाद लोगों ने जरूरतमंदों को जकात और सदका दिया। मस्जिदों के बाहर रोजेदारों के लिए पानी, खजूर और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई। अलविदा जुमा के साथ ही रमजान की रुख्सती का एहसास भी दिखा, वहीं लोगों में ईद को लेकर उत्साह भी नजर आने लगा है।

प्राइम लोकेशन पर हाउसिंग बोर्ड बेचेगा संपत्ति

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड भोपाल की प्राइम लोकेशन पर अपनी प्रॉपर्टी बेचेगा। दो दिन के आवास मेले की शुक्रवार से शुरुआत हो गई। 800 से ज्यादा लोग साइट विजिट के साथ बुकिंग भी करा रहे हैं। शनिवार को भी मेला लगेगा।पर्यावास भवन में मेला आयोजित हो रहा है। इसमें राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी दी जा रही है। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी की जा रही है। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे है। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी है। मेले में पहले दिन 800 से ज्यादा लोगों ने प्रॉपर्टी की इंक्वारी की। वहीं करीब 40 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की ऑन स्पॉट बुकिंग की गई। सबसे ज्यादा बुकिंग बाग मुगलिया, कटारा हिल्स के सेफायर पार्क सिटी में हुई। इस प्रोजेक्ट में लगभग 25 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी बुक की गई। खजूरीकलां अवधपुरी में बोर्ड के डुप्लेक्स और ट्री प्लेक्स मकानों के प्रोजेक्ट में लगभग 10 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई। वहीं, सुरम्य परिसर, लवकुश हाइट्स, गौरव नगर और दूसरी ओल्ड प्रॉपर्टी में लगभग 5 करोड़ रुपए तक की बुकिंग हुई। कल मेले का आखिरी दिन है। हाउसिंग बोर्ड ने मेले में फॉर्म भरने की निशुल्क सुविधा दी हुई है। साथ में निशुल्क साइड विजिट की भी सुविधा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

जिले की फंदा जनपद की 96 ग्राम पंचायतों पर हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ, अभियान के तहत किया जाएगा जल स्रोतों का जीर्णोद्धार एवं जल संरक्षण

19 मार्च से 30 जून तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

भोपाल (निप्र)। भोपाल जिले की जनपद पंचायत फन्दा की 96 ग्राम पंचायतों में जन- भागीदारी से जल-संरक्षण कार्य चल रहा है। अभियान के तहत तालाब, नाले गहरीकरण और सफ़ाई के काम कराए जा रहे हैं।हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने गुरुवार को ग्राम पंचायत अमला में केरवा नदी के उद्गम स्थल पर नाले की सफ़ाई एवं गहरीकरण कार्य का शुभारंभ किया। 19 मार्च से 30 जून 2026 तक, 96 ग्राम पंचायतें, जन-भागीदारी पर विशेष जोर, जल- स्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा-जल संग्रह बढ़ाना और स्वच्छ पर्यावरण के तहत कार्य कराए जाएंगे। विधायक श्री शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है, समुदाय की भागीदारी से ही इस अभियान को सफलता मिलेगी।

युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के ध्वजवाहक : मंत्री श्री सारंग

विकसित भारत युवा संसद 2026: समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (निप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग शुक्रवार को मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर स्थित मानसरोवर भवन में आयोजित विकसित भारत युवा संसद-2026 प्रतियोगिता के राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवा प्रतिभागियों से संवाद किया एवं उनके विचारों की सराहना कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के 54 जिलों से चयनित 270 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से शीर्ष 3 प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह मंच केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए विचारों की ऊर्जा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रमुख ध्वजवाहक हैं। विकसित भारत-2047 का संकल्प तभी साकार होगा, जब युवा संस्कारित, अनुशासित और जिम्मेदार होंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, तकनीक, शोध एवं नेतृत्व के क्षेत्र में व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही प्रदेश एवं देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने के लिये विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें खेलो एमपी यूथ गेम्स, प्रत्येक विधानसभा में खेल परिसर की स्थापना, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान, युवा उत्सव, खेलो बढ़ो अभियान तथा सहकारिता के माध्यम से खेल एवं युवा गतिविधियों को प्रोत्साहन शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक युवा को चेंजमेकर के रूप में विकसित करना है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विकसित भारत युवा संसद का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संसदीय प्रक्रिया एवं लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराना, उनके नेतृत्व, संवाद एवं निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना तथा समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों पर उनके विचारों को मंच प्रदान करना है। इससे विकसित भारत 2047 के विज़न में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी।

राज्यसभा की दौड़ से पीछे हटे जीतू पटवारी, दिग्विजय सिंह के नाम पर बढ़े कयास!

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने खुद को राज्यसभा की दौड़ से अलग करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मेरे अलावा कोई भी साथी राज्यसभा जा सकता है। उनके इस बयान के बाद वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है।भोपाल में शुक्रवार को कथावाचक मोहित नागर को कांग्रेस की सदस्यता दिलाने के बाद मीडिया से बातचीत में पटवारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का पद बेहद जिम्मेदारी भरा होता है और इसमें 24 घंटे भी कम पड़ते हैं, इसलिए वे इस रेस में नहीं हैं।दिग्विजय सिंह पर क्या बोले पटवारी जब उनसे दिग्विजय सिंह के संभावित उम्मीदवार होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि बिल्कुल हो सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान ही करेगा। हालांकि, खुद दिग्विजय सिंह पहले तीसरी बार राज्यसभा न जाने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन पटवारी के बयान के बाद उनके नाम को लेकर अटकलें फिर तेज हो गई हैं।

प्रभारी मंत्री श्रीमती उइके ने सरई में मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

भोपाल (निप्र)। सरई के संदीपनी विद्यालय मैंदान में आयोजित मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का प्रभारी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रभारी मंत्री स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बिमारियों जैसे नाक-कान-गला, सामान्य मेडिसन, हृदय रोग, श्वास एवं क्षय रोग (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम), चर्म रोग, नेत्र रोग, मानसिक स्वास्थ्य, स्त्री रोग, सर्जरी एवं कैंसर, हड्डी रोग तथा दंत चिकित्सा कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग, कैसर स्क्रीनिंग, क्षय रोग स्क्रीनिंग, जैसी सेवाएं के लिये लगाये कैम्प का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर में मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उपचार की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही गंभीर रोगों से ग्रसित

मरीजों को आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया गया। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान प्रभारी मंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाई गई पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने संतुलित आहार का स्वाद चखा और उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी ली।

नवरात्रि के पावन अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में उपस्थित गर्भवती महिलाओं से संवाद किया, उनकी सेहत और देखभाल से जुड़ी जानकारी ली तथा उन्हें और उनके आने वाले बच्चों के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। मेगा स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सकों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा एवं जनहित में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये प्रभारी मंत्री ने मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर का विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर गौरव बैनल, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के ने भी अवलोकन कर उपस्थित चिकित्सकों से शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओ के संबंध में जानकारी भी ली।

भोपाल में कटारा हिल्स में आग, लेट पहुंची दमकल, रजाई-गद्दे की दुकान में घटना; 20 फीट तक ऊपर उठी आग की लपटें

भोपाल (निप्र)। कटारा हिल्स स्थित एक रजाई-गद्दे की दुकान में देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 20 फीट तक ऊपर उठ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो आग पर जल्दी काबू पा लिया जाता, लेकिन फायर ब्रिगेड ही करीब 45 मिनट देरी से मौके पर पहुंची।कटारा हिल्स के स्प्रिंग वैली में श्री वृंदावन फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट है। ठीक इसके पास रजाई-गद्दे की दुकान है। गुरुवार-शुक्रवार की देर रात इसी दुकान में आग लगी। राहगीर और आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल बुलाने के लिए फायर स्टेशन पर कॉल किया, लेकिन पौन घंटे तक दमकल मौके पर ही नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली।आगजनी का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बताया। एक महिला ने कहा कि पौन घंटा तक दमकल मौके पर नहीं आई। जब आई तो उसमें कर्मचारियों ने खराब बताई। फिर कुछ संसाधन ढूंढने लगे।

घर से बुलाकर युवक पर तलवार से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

भोपाल(ए.)। शहर के कमला नगर थाना इलाके में बीती रात एक युवक के घर पहुंचे आधा दर्जन बदमाशो ने पहले तो उसे बात करने के लिये बाहर बुलाया और फिर विवाद करते हुए उस पर तलवारों से हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। युवक को लहूलुहान कर बदमाश उसे मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक न्यू शबरी नगर में रहने वाला 21 वर्षीय अंकित खटीक पोस्ट ऑफिस कार्यालय में काम करता है। बीती रात वह अपने घर पर था, तभी उसे बुलाने के लिए अमन चोटी आया। उसके बुलाने पर वह घर के बाहर गया तो देखा की आरोपी अमन के साथी विपिन, मन्नू, भोला व एक अन्य युवक भी मौजूद थे। सभी ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए घेरकर जमकर मारपीट की और फिर उस पर तलवारों से हमला कर दिया घायल कर दिया। अमन के चीखने की आवाजे सुनकर परिजन और आसपास के लोग बाहर आए जिन्हें देख बदमाश अमन को जान से मारने की धमकी देकर वहॉ से भाग गए। बाद में परिवार वालो ने उसे इलाज के लिये अस्पताल पहुचांया जहॉ उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने फरार आरोपियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है। पुलिस का मानना है की फरियादी के साथ आरोपियो ने पुरानी रजिंश के चलते मारपीट की है, हालांकि घटना के सही कारणो का खुलासा आरोपियो की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगा।

जयभान सिंह पवैया 6वें वित्त आयोग के अध्यक्ष नियुक्त, ग्वालियर में समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ की खुशी जाहिर

मप्र की जनता की सेवा के इस अवसर को मां भगवती के चरणों में समर्पित करता हूं : पवैया

भोपाल,(निप्र)। महाराष्ट्र के सह-प्रभारी और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया को राज्य के 6वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह घोषणा होने के बाद शुक्रवार को ग्वालियर स्थित उनके निवास पर उत्सव जैसा माहौल बन गया। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी जाहिर की और मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। साथ ही उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए लोगों की लगातार भीड़ उमड़ती रही। राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद जयभान सिंह पवैया ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बताया कि जब उन्हें कल शाम इस नियुक्ति की जानकारी मिली, तो उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो नवरात्रि के पहले दिन संध्या के समय जगदंबा मां ने उन्हें यह दायित्व सौंपा हो। पवैया ने कहा कि वे मध्य प्रदेश की जनता की सेवा के इस अवसर को मां भगवती के चरणों में समर्पित करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगू भाई पटेल के प्रति गहरा आभार प्रकट किया। पवैया ने कहा कि इन नेताओं ने उनकी क्षमताओं पर विश्वास जताते हुए उन्हें वित्त आयोग जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

जयभान सिंह पवैया ने केंद्र से लेकर मध्य प्रदेश तक संगठन के सभी पदाधिकारियों और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक संवैधानिक संस्था जरूर है, लेकिन वे अपनी 'मां' समान संगठन को नहीं भूल सकते, जिसकी वजह से उन्हें सेवा का यह अवसर मिला है।

रसोई गैस कालाबाजारी और अवैध भंडारण की सूचना देने वालों को मिलेगा पुरस्कार

जबलपुर, (ए.)। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुये रसोई गैस सिलेंडारों के दुरुपयोग एवं कालाबाजारी को रोकने जिला प्रशासन द्वारा सूचना देने वाले व्यक्ति को जप्त सिलेंडरों की अनुमानित लागत की 25 प्रतिशत राशि पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की हैकलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा के प्रभारी अधिकारी एवं एलपीजी नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र अहके के अनुसार जिले में रसोई गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण रोकने प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि जो भी व्यक्ति गैस सिलेण्डरों की ब्लैक मार्केटिंग अथवा अवैध भंडारण या व्यापार होने से संबंधित सूचना देगा तथा सूचना सही पाई जाने पर उस व्यक्ति को जप्तशुदा राजसात गैस सिलेण्डरों की अनुमानित राशि का 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रूपये पाँच हजार रूपये से पुरस्कृत किया जायेगा।

संयुक्त कलेक्टर के मुताबिक सूचना देने वाले व्यक्ति की जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जायेगी। रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी या अवैध भंडारण की सूचना एलपीजी के नोडल अधिकारी को मोबाइल नम्बर 88780 38092 पर अथवा कंट्रोल रूम के मोबाइल नम्बर 95843 19092 पर कॉल कर या व्हाटसएप पर मैसेज के माध्यम दी जा सकती है।

मंदिर में भगवान नहीं मिलने से रो पड़े श्रद्धालु

– धमकियों से परेशान पुजारी रातों-रात मूर्तियां ले गया, वीडियो में बोला- मुझे पीटा, गालियां दीं

राजगढ़(ए.) । जिले के खिलचीपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार सुबह श्रद्धालु पूजा के लिए पहुंचे तो भगवान की मूर्तियां नहीं मिलीं। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की मूर्तियां गायब थीं। वीरान मंदिर को देखकर श्रद्धालु डॉ. एस. प्रसाद मंदिर परिसर में ही बैठकर रो पड़े। उन्होंने कहा, हमारे भगवान हमें छोड़कर चले गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही खिलचीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि देर रात पुजारी विष्णुदास सका मंदिर में प्रवेश करते हैं। गेट बंद करते हैं और पर्दे लगा देते हैं।इसके बाद वे भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा के पास जाते हैं। प्रणाम करते हैं। हाथ में जल लेकर मंत्रोच्चार करते हैं, फिर पर्दे लगा देते हैं। कुछ देर बाद वे मंदिर की लाइट और सीसीटीवी कैमरे बंद कर देते हैं। इसके बाद अंदरूनी खिड़की के रास्ते प्रतिमाओं को दूसरे कमरे में ले जाकर अपने साथ ले जाते हैं। कार में बैठकर मंदिर परिसर से निकल जाते हैं। सुबह भक्त मंदिर पहुंचे तो मूर्तियां गायब मिलीं यह देख एक भक्त रोने लगा और कहने लगा कि उसकी मूर्तियाँ चोरी हो गई हैं।

– पुजारी ने वीडियो में बताई आपबीती

घटना के बाद पुजारी विष्णुदास सखा ने एक वीडियो जारी किया, जो उन्होंने चलती कार में बनाया। वीडियो में उन्होंने कहा- हरे कृष्णा, मैं विष्णु सखा दास बोल रहा हूं। मैं भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा महारानी जी की सेवा में था। आज मैं खिलचीपुर छोड़कर जा रहा हूं। मैं भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा जी को अपने साथ लेकर जा रहा हूं। इसका मुख्य कारण यह है कि मुझे कई प्रकार से प्रताड़ित किया गया। मुझे गालियां दी गईं। धमकाया जा रहा था कि यहां से निकल जाओ। मेरे साथ मारपीट भी की गई। मैंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन कुछ लोगों ने पुलिस को फोन कर शिकायत लिखने से मना करवा दिया। मेरे साथ जो घटना हुई, उसमें मेरी मदद के लिए कोई नहीं आया। मैं अपनी इच्छा से यहां से नहीं जा रहा हूं, बल्कि बहुत परेशान था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के फ्रीगंज टॉवर क्षेत्र में चेटीचंड पर समाज के बंधुओं को बधाई और मंगलकामनाएं

मैहर : नवरात्रि के दूसरे दिन उमड़ा आस्था का सैलाब, 54 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

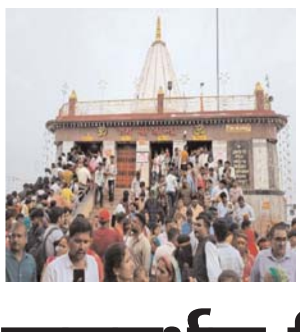

मैहर (ए.)। मध्य प्रदेश के मैहर में चैत्र नवरात्रि का पर्व पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। दूसरे दिन भी मां शारदा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और दोपहर 2 बजे तक करीब 54 हजार से अधिक भक्तों ने दर्शन लाभ प्राप्त किया। मां शारदा मंदिर में सुबह आरती-भोग के बाद दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर तक जारी रहा। त्रिकूट पर्वत स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु पैदल मार्ग, वैन सेवा और रोपवे का सहारा ले रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त सीढ़ियां चढ़कर माता के दरबार में पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। नवरात्रि के दौरान एक ओर जहां मां आदिशक्ति के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जा रही है, वहीं रामनवमी को लेकर भी धार्मिक आयोजन शुरू हो गए हैं।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का बलिदान दिवस सम्मान के साथ मनाया गया

मंडला (ए.)। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की क्रांति की अग्रणी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर नगर के लालीपुर प्रतिमा स्थल में जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों की उपस्थिति में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उनकी वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। समारोह में प्रो शरद नारायण खरे, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, समाजसेवी नरेश कछवाहा, संघर्ष समिति के अध्यक्ष एड संजय चौरसिया जिला योजना अधिकारी ओम प्रकाश सिरसे, उमेश ठाकुर, राजकुमार दमाहे, गुलाब सिंगरौरे, बंधु ठाकुर कुंजन जाघेला, डीएल मोंगरे, लोधी क्षत्रिय समाज जिला अध्यक्ष कन्हैया ठाकुर, आलोक जिला अध्यक्ष राजेश लोधी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिमा स्थल पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अपने उद्बोधन में इतिहासकार प्रो शरद नारायण खरे ने वीरांगना के शौर्य, त्याग एवं समर्पण को याद करते हुए कहा कि अल्प आयु में देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाली रानी अवंती बाई आज भी भारतीय स्वाभिमान और नारी चेतना की प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि उनके शौर्य का लोहा उनके शत्रु भी मानते थे तथा आने वाले समय में कविता के माध्यम से उनके पराक्रम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

इतिहासकार प्रशांत श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि रानी अवंती बाई के जीवन पर फिल्म निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसके लिए उनसे जुड़ी ऐतिहासिक सामग्री एकत्रित की जा रही है।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष नरेश कछवाहा ने कहा कि 1857 की क्रांति के दौरान रानी अवंती बाई ने राजाओं को चूड़ियां भेजकर युद्ध के लिए प्रेरित किया था, जिससे राष्ट्रभाव जागृत हुआ। उन्होंने रानी अवंती बाई संघर्ष समिति के कार्यों को याद करते हुए कहा कि लालीपुर स्थित प्रतिमा और झूला पुल जैसे निर्माण उनके संघर्ष का परिणाम हैं। कार्यक्रम में लखन कछवाहा ने स्वरचित कविता का पाठ कर वीरांगना को श्रद्धांजलि दी।

जयवर्धन सिंह ने कार्यकर्ता के जन्मदिन पर खुद परोसा नाश्ता

गुना/राधोगड़(ए.) राजनीति में जहां अक्सर जनप्रतिनिधियों और आमजन के बीच दूरी देखने को मिलती है, वहीं राघौगढ़ में आज एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने सादगी, आत्मीयता और जनसेवा की मिसाल पेश कर दी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय कोठी बाग के सामने स्थित प्रतिष्ठित भगत नमकीन के संचालक शेरू के जन्मदिन के अवसर पर आज कार्यालय परिसर में खासा उत्साह और अपनापन देखने को मिला। जन्मदिन के अवसर पर शेरू स्वयं विधायक जयवर्धन सिंह से मिलने कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बड़े ही विनम्र भाव से अपने जन्मदिन की जानकारी दी और मिठाई एवं कचौड़ी लेकर वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आमजन को नाश्ता कराया। इस दौरान पूरे माहौल में आत्मीयता और उत्साह का वातावरण बना रहा।

शेरू ने इस अवसर पर विधायक जयवर्धन सिंह से अपनी दुकान पर आने का आग्रह भी किया, जिसे विधायक जी ने सहर्ष स्वीकार किया।

जनसुनवाई समाप्त होने के पश्चात विधायक जयवर्धन सिंह सीधे शेरू की दुकान भगत नमकीन पहुंचे। वहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया

गया। इसके बाद जो दृश्य सामने आया, उसने सभी का दिल जीत लिया — विधायक जी ने स्वयं अपने हाथों से वहां मौजूद लोगों को नाश्ता परोसा और सभी के साथ आत्मीय संवाद किया।

उन्होंने शेरू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस सादगीपूर्ण और आत्मीय व्यवहार की खुलकर सराहना की।

स्थानीय लोगों का कहना था कि विधायक जयवर्धन सिंह का यही सरल स्वभाव और जनता के बीच रहने की शैली उन्हें खास बनाती है। वे केवल जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह हर सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि राघौगढ़ की यह प्रतिष्ठित दुकान भगत नमकीन वर्षों से अपनी गुणवत्ता और स्वाद के लिए जानी जाती है। यहां की मिठाइयां आज भी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह (राजा साहब) को विशेष रूप से भेजी जाती हैं, जो इस दुकान की विश्वसनीयता और परंपरा को दर्शाता है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनसेवा केवल शब्दों में नहीं, बल्कि व्यवहार और आत्मीयता में झलकती है और यही पहचान राघौगढ़ की राजनीति को अलग बनाती है।

व्यापार समाचार

चांदी 16000 रुपए हुई सस्ती और सोने में भी महागिरावट, खरीदारी का अच्छा मौका

मुंबई (ए.) सोने और चांदी में कारोबार सत्र में गिरावट देखने को मिली। इससे सोने का दाम 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब और चांदी की कीमत 2.45 लाख रुपए प्रति किलो के नीचे फिसल गई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 10:21 पर सोने का 2 अप्रैल 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.62 प्रतिशत या 953 रुपए की गिरावट के साथ 1,52,072 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,712 का न्यूनतम स्तर और 1,53,025 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी में भी कमजोरी बनी हुई है। चांदी का 5 मई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 3,945 रुपए या 1.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,44,249 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,43,083 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,45,387 रुपए का उच्चतम स्तर छूआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में अधिक कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक,सोना 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,850 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75.735 डॉलर प्रति औंस पर थी। सोने में गिरावट की वजह अमेरिकी फेड के फैसले को माना जा रहा है। बुधवार को अमेरिकी फेड ने ब्याज दरों को लगातार दूसरी बार यथावत रखा था। मौजूदा समय में अमेरिका में ब्याज दरें 3.5 प्रतिशत से लेकर 3.75 प्रतिशत के बीच में है।

इससे पहले अमेरिकी फेड ने सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर 2025 में ब्याज दरों में कटौती की थी। वीटी मार्केट्स में वरिष्ठ बाजार विश्लेषक ङ्क एपीएसी जस्टिन खू ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय भू-राजनीतिक झटके और लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति से जूझ रही समिति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि फेड चेयरमैन पॉवेल ने पुष्टि की कि कई अधिकारियों ने अपने पूर्वानुमानों को दो कटौती से घटाकर केवल एक कटौती पर कर दिया है। यह बदलाव मुद्रास्फीति के अनुमानों में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि के बाद हुआ है, जो मुख्य रूप से तीन सप्ताह से चल रहे ईरान युद्ध और वैश्विक तेल बाजार पर इसके प्रभाव के कारण है।

बीएचईएल का बड़ा निवेश, कोल इंडिया के संयुक्त उधम में लगाएगी 3,064 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (ए.) । इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भेल यानी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने गुरुवार को कहा कि वह कोल इंडिया के संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) में करीब 3,064.46 करोड़ रुपए तक का निवेश करेगी।

कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि यह निवेश चार साल में किया जाएगा, जिसमें कोल इंडिया की जॉइंट वेंचर कंपनी भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) में इक्विटी के रूप में बीएचईएल की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी, तो वहीं कोल इंडिया की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत होगी।

इस संयुक्त उद्यम का मुख्य उद्देश्य कोयले से अमोनियम नाइट्रेट बनाने वाला प्लांट लगाकर केमिकल कारोबार शुरू करना है, जिसकी क्षमता 2,000 टन प्रति दिन होगी।फाइलिंग में यह भी बताया गया कि बीएचईएल के बोर्ड ने टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के साथ एक अलग जॉइंट वेंचर बनाने को मंजूरी दी है। यह संयुक्त उद्यम वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के मेंटेनेंस के लिए बनाया जाएगा।कंपनी ने कहा कि डीआईपीएएम की मंजूरी के बाद जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट को अंतिम रूप दिया जाएगा और जरूरत के अनुसार उसमें बदलाव भी किए जा सकते हैं।

1 लाख करोड़ मार्केट कैप हुआ कम, एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट और बड़ी गड़बड़ी पर आरबीआई को देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि एचडीएफसी बैंक घरेलू स्तर पर प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) बैंक है, जिसकी वित्तीय स्थिति मजबूत है और बैंक को पेशेवर बोर्ड और मजबूत मैनेजमेंट द्वारा चलाया जा रहा है।

केंद्रीय बैंक की ओर से यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब एचडीएफसी बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने 'नैतिक मतभेद' के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि उसने एचडीएफसी बैंक में हाल के घटनाक्रमों का संज्ञान लिया है। आरबीआई ने कहा, बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन के पद के संबंध में बैंक के अनुरोध के अनुसार ट्रांजिशन व्यवस्था को रिजर्व बैंक ने मंजूरी दे दी है।आरबीआई ने आगे कहा कि अपने आवधिक मूल्यांकन में उसे बैंक के आचरण या प्रशासन के संबंध में कोई महत्वपूर्ण चिंताजनक बात नहीं मिली है।केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, बैंक के पास पूंजी पर्याप्त है और वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है, साथ ही पर्याप्त तरलता भी है। रिजर्व बैंक आगे की रणनीति पर बोर्ड और प्रबंधन के साथ बातचीत जारी रखेगा। इसके साथ, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक के उस अनुरोध को मंजूरी दे दी है जिसमें केकी मिस्त्री को 19 मार्च से तीन महीने की अवधि के लिए अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त करने की बात कही गई थी। चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद मिस्त्री ने निवेशकों और विश्लेषकों से कहा कि बैंक में कोई बड़ी समस्या नहीं हैं। हालांकि, बैंक के शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। यह बदलाव मुद्रास्फीति के अनुमानों में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि के बाद हुआ है, जो मुख्य रूप से तीन सप्ताह से चल रहे ईरान युद्ध और वैश्विक तेल बाजार पर इसके प्रभाव के कारण है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज बाजार में आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.17 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 2.07 फीसदी बढ़कर लाभ में रहे। निफ्टी फार्मा 1.99 फीसदी , निफ्टी हेल्थकेयर 1.89 फीसदी , निफ्टी मेटल 1.45 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 1.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं निफ्टी रियल्टी 0.93 फीसदी , निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.73 फीसदी , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.68 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 363.20 अंक बढ़कर 54,855.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.35 अंक उछलकर 15,718.60 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन, एनटीपीसी, सनफार्मा, एचसीएल टेक, इटरनल, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि एचडीएफसी बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एलएंडटी के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 790.56 अंक बढ़कर 74,997.80 पर खुला।

रिटर्न फाइल करना हुआ अब आसान, केंद्र ने आयकर नियम 2026 के लिए अधिसूचना की जारी

नई दिल्ली (ए.) । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को आयकर नियम, 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इससे नए आयकर अधिनियम 2025 के लिए मंच तैयार होगा, जो कि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होने वाला है, जिसमें पारदर्शिता, अधिक सख्त डिस्क्लोजर और बेहतर अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ई-राजपत्र में आयकर नियम, 2026 प्रकाशित किए हैं, जो पूर्ववर्ती प्रावधानों का स्थान लेते हैं और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक विस्तृत ढांचा निर्धारित करते हैं। नए नियमों का उद्देश्य प्रोसेस को आसान करना और कैपिटल गेन, स्टॉक मार्केट लेनदेन और एनआरआई टैक्स से जुड़े रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड को सख्त करना है। ये नियम इस साल की शुरुआत में जारी किए गए मसौदा प्रस्तावों के बाद आए हैं और भारत की कर प्रणाली को आधुनिक बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, इन बदलावों से कोई नया कर लागू नहीं होता, बल्कि बेहतर निगरानी और पारदर्शिता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिसके लिए अधिक डिस्क्लोजर और डिजिटल ट्रैकिंग की आवश्यकता होगी।आयकर नियम, 2026 में सबसे बड़ी हाईलाइट हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) है। नए नियम के तहत अब बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के लोग भी सैलरी के 50 प्रतिशत हिस्से पर एचआरए क्लेम कर सकते हैं, पहले यह लिमिट केवल मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहरों में रहने वाले लोगों के लिए थी। हालांकि, बाकी के अन्य शहरों के लिए यह लिमिट अभी भी 40 प्रतिशत बनी हुई है। अब करदाताओं को एक निर्दिष्ट प्रपत्र में मकान मालिक के साथ अपने संबंधों का खुलासा करना भी आवश्यक होगा, जिससे पारदर्शिता में और सुधार होगा। इन नियमों में स्टॉक एक्सचेंजों के लिए डेरिवेटिव ट्रेडिंग के मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु सख्त शर्तें भी निर्धारित की गई हैं।

ZOMATO और SWIGGY से खाना मंगाना हुआ महंगा, जानिए अब आपकी जेब से कितने पैसे कटेंगे

नई दिल्ली (ए.) । अगर आप भी घर बैठे ऑनलाइन खाना मंगाने के शौकीन हैं, तो यह खबर आपकी जेब पर सीधा असर डालने वाली है। देश के प्रमुख फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो (Zomato) ने अपने ग्राहकों को झटका देते हुए प्लेटफॉर्म फीस में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। अब यूजर्स को ऐप से खाना ऑर्डर करने पर पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जोमैटो के साथ-साथ इसकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी (Swiggy) ने भी अपने चार्जेस में इजाफा कर दिया है।

प्रति ऑर्डर 2.40 रुपये की हुई बढ़ोतरी

जोमैटो ऐप पर उपलब्ध ताजा जानकारी के अनुसार, कंपनी ने ग्राहकों से वसूले जाने वाले प्लेटफॉर्म शुल्क में 2.40 रुपये प्रति ऑर्डर की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद प्री-जीएसटी (GST से पहले) आधार पर जोमैटो का प्लेटफॉर्म शुल्क 12.50 रुपये से बढ़कर 14.90 रुपये प्रति ऑर्डर हो गया है। आपको बता दें कि कंपनी ने इससे पहले आखिरी बार सितंबर 2025 में इस शुल्क में बढ़ोतरी की थी। लगातार बढ़ रहे इन अतिरिक्त शुल्कों के कारण यूजर्स का ऑनलाइन फूड डिलीवरी बिल अब धीरे-धीरे और भारी होता जा रहा है।

स्विगी ने भी ग्राहकों को दिया झटका

जोमैटो की तर्ज पर ही स्विगी ने भी अपने ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ा दिया है। अब स्विगी अपने प्लेटफॉर्म पर प्रति ऑर्डर टैक्स सहित 14.99 रुपये का प्लेटफॉर्म शुल्क वसूल रही है, जो पहले 12.50 रुपये हुआ करता था। बाजार के ट्रेंड्स को देखें, तो आमतौर पर यही देखा गया है कि ये दोनों दिग्गज फूड डिलीवरी कंपनियां शुल्कों में बदलाव के मामले में एक-दूसरे की रणनीतियों को फॉलो करती हैं। यही कारण है कि दोनों प्लेटफॉर्म्स के यूजर्स को एक साथ इस महंगाई की मार का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की शृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा।इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अत: सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवत: यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्रवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

नीतीश कुमार के रास जाने के बाद बिहार किस ओर

-सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति एक बार फिर नए मोड़ पर खड़ी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सीट फतह कर चुके हैं अब ऐसे में बिहार की राजनीति किस ओर करबट ले रही है साफ साफ दिख रहा है । भाजपा की कही बात सिद्ध होने जा रही है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए। अब स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि राज्य की बागडोर अब किसके हाथों में सौंपी जाएगी। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, विकास की गति और राजनीतिक संतुलन का भी विषय है। वहीं क्या पर्ची निकाली जायेगी जैसा कि भाजपा नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में विधायकों में से किसी एक की पर्ची निकालकर राजतिलक कर चुका है। हालांकि गठबंधन के बाद भाजपा के लिए आसान नहीं रहेगा।

अब अगर नीतीश कुमार की पार्टी की बात करें तो सबसे पहले, जेडीयू के भीतर नेतृत्व की तलाश तेज होगी। पार्टी में कई चेहरे हैं, लेकिन अनुभव, स्वीकार्यता और प्रशासनिक समझ के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। साथ ही, सहयोगी दलों की भूमिका भी अहम हो जाएगी, क्योंकि बिहार की सरकार गठबंधन की राजनीति पर टिकी है। ऐसे में सहमति से नेता का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया हो सकती है।

दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की कोशिश करेगा। तेजस्वी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का प्रयास करेगा। यदि सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी प्रकार की असहमति या नेतृत्व को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है, तो विपक्ष इसे जनता के बीच एक मुद्दा बना सकता है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं। ऐसे में जो भी नया नेता सामने आएगा, उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इन

उपलब्धियों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की होगी। साथ ही, उसे जनता के विश्वास को भी जीतना होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है।यह कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार का दायित्व केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे नेतृत्व तंत्र पर होगा। एक मजबूत, समन्वित और दूरदर्शी नेतृत्व ही राज्य को स्थिरता और विकास के पथ पर बनाए रख सकता है।

बिहार विधानसभा की सीटों पर बात करें तो कुल सीटें 243 है जिसमें बहुमत का आंकड़ा 122 है। दलवार सीट जिसमें भाजपा- 89, जेडी(यू) -85, एनडीए कुल - 174, राजद - 25, कांग्रेस -6, वाम दल (सीपीआई(एमएल), सीपीआई(एम)) - 3, महागठबंधन कुल- 34,एलजेपी (आरवी)- 19, एआईएमआईएम - 5, हैम(एस) - 5, आरएलएम- 4 सहित अन्य 2 हैं।

नीतीश कुमार के केंद्र में मंत्री बनने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों—खासकर उनके राज्यसभा जाने की चर्चाओं—के बाद यह अटकलें जरूर तेज हुई हैं कि वे केंद्र की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अगर वे राज्यसभा सदस्य बनते हैं, तो सैद्धांतिक रूप से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना संभव हो जाता है।खैर यह तो भविष्य के गर्त में है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा से अगर कोई आता है तो यह समय सही है क्योंकि बिहार एक संभावनाओं और चुनौतियों का प्रदेश है।भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित बिहार एक ऐसा प्रदेश है, जिसकी पहचान इतिहास, संस्कृति और संघर्षों के अनूठे संगम के रूप में होती है। यह वही धरती है, जहाँ प्राचीन काल में ज्ञान और सभ्यता के केंद्र विकसित हुए—चाहे वह नालंदा विश्वविद्यालय हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय। लेकिन आधुनिक समय में बिहार को अक्सर पिछड़ेपन और विकास की चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाता है।

बिहार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल युवा आबादी है। यह जनसंख्या यदि सही दिशा में मार्गदर्शित हो, तो प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है। कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन उद्योगों का अभाव और रोजगार के सीमित अवसर युवाओं को पलायन के लिए मजबूर करते हैं। यही कारण है कि बिहार के श्रमिक देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी मेहनत का लोहा मनवाते हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी बिहार हमेशा चर्चा में रहा है। नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने सुशासन और विकास के मुद्दों को केंद्र में लाने की कोशिश की है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की मजबूरियाँ अक्सर नीतियों की निरंतरता में बाधा बनती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार के प्रयास हुए हैं, परंतु अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। सामाजिक दृष्टिकोण से बिहार में बदलाव की एक नई लहर दिखाई दे रही है। महिलाओं की शिक्षा और सहभागिता बढ़ी है, पंचायत स्तर पर उनकी भागीदारी ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। वहीं, आधारभूत संरचना—सड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी—में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि बिहार के सामने चुनौतियाँ कम नहीं हैं। भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की स्थिति, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा। बिहार एक विरोधाभासों का प्रदेश है—जहाँ अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति और दीर्घकालिक दृष्टि की जरूरत है। यदि सही नीतियाँ और जनसहयोग मिल जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब बिहार फिर से अपने गौरवशाली अतीत की तरह देश के विकास का अग्रदूत बन सकेगा।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना: नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्त्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है। यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है।

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पाषदन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है। 2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं।

रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति चयनात्मक' रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुन: स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं ।

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज राहत मिलेगी।

वृष राशि: आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक रख रखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा। सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे। किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं।

कर्क राशि: आज करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा।

सिंह राशि: आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति की वजह से आज आपको अच्छा लाभ होगा। आज काम जल्दबाजी में न करके सोच विचार करेंगे तो आपका काम आसानी से होगा। मां शैलपुत्री का ध्यान करें, रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

कन्या राशि: आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में रहेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज कुछ समय एकांत में बिताएंगे। आज आपको निर्णय लेने में किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता मिलेगी। आज कार्यों में आपको परिवारजनों का सहयोग मिलेगा। आज किसी प्रिय मित्र से भी मुलाकात होगी। महिलाओं को घर के कार्यो से राहत मिलेगी। देवी दुर्गा की उपासना करें, समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

तुला राशि: आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज रोजगार संबंधी अवसर मिलेंगे। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आएंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। काम की प्रगति के कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। आज सरकारी कार्यों में को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की भी मदद मिलेगी। आज ऑफिस में मन मुताबिक जिम्मेदारियां भी मिलेंगी। आज बच्चे किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे।

धनु राशि: आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे, आपकी तारीफ करेंगे। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। कई सकारात्मक पहलुओं की जानकारी भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये आपका प्रयास सफल होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम संपन्न होगा। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद्द करेंगे।

मकर राशि: आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से बेहतर होगी। अपने कॉन्टैक्ट मजबूत रखें। किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपका रिश्तों के प्रति आदर-सम्मान करना आपसी रिश्ते को और अधिक मजबूत करेगा। आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे।

मीन राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा । मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा।

(विचार-मंथन) सोने और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव

- सनत जैन

जब से रूस-यूक्रेन, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच में युद्ध शुरू हुआ है, उसके बाद से सारी दुनिया में सोने-चांदी और अन्य महत्वपूर्ण धातुओं के दामों में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पहली बार दुनिया में अर्थव्यवस्था को लेकर, एक ऐसी अनिश्चय की स्थिति देखने को मिल रही है, जिसके कारण वैश्विक व्यापार में इसका बड़े पैमाने पर असर हो रहा है।

दूसरी बार डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने। उसके बाद से डॉलर मुद्रा को लेकर एक अलग तरह की चुनौती देखने को मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सारी दुनिया के देशों पर टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार को बड़ी चुनौती देने का काम किया। 1993 में लागू वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया के देशों के बीच सुगमता से व्यापार हो रहा था। वैश्विक व्यापार संधि को लेकर दुनिया के देशों का विश्वास, वैश्विक लेन-देन पर बना था। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के जरिए सभी देशों को उसे चुनौती देने का काम किया। जिसके कारण वैश्विक व्यापार को लेकर कई चुनौतियां सारी दुनिया के देशों में बढ़ी। इजराइल-फिलिस्तीन तथा रूस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय तक चलने से सारी दुनिया के देशों में चुनौतियां बढ़ी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की दादागिरी, रूस की मुद्रा जप्त करने, रूस ईरान और अन्य देशों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा देने से दुनिया के देशों का अमेरिका के ऊपर विश्वास घटा है। हाल ही में इजराइल और अमेरिका द्वारा जिस तरह से ईरान को निशाने पर लिया गया, ईरान के अधिकांश नेताओं को घोषित रूप से मारा गया। ईरान में सत्ता पलटाने की कोशिश अमेरिका द्वारा की गई। इसका असर अब सारी दुनिया में

देखने को मिल रहा है।

पिछले 1 वर्ष में सोने और चांदी के कारोबार को लेकर बड़े पैमाने पर तेजी और गिरावट का दौर देखने को मिला है। पहली बार अमेरिकी डॉलर को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिली है। ब्रिक्स के देशों ने आपसी व्यापार के लिए अन्य मुद्राओं में व्यापार करने तथा डॉलर की अहमियत को कम करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। वैश्विक मुद्रा में सोने का महत्वपूर्ण आधार हमेशा से रहा है। 2008 के बाद जब विश्व बैंक ने सभी फेडरल बैंकों को सोने का स्टॉक बढ़ाने का सुझाव दिया था। उसके बाद से दुनिया के सभी देशों ने सोने का भंडारण बड़ी मात्रा में शुरू कर दिया था। जिसके कारण 2008 के बाद से लगातार विश्व स्तर पर सोने के दाम बढ़ते रहे। अभी भी सोना मुद्रा के रूप में सबसे ज्यादा स्वीकार वैश्विक मुद्रा है। भारत में पिछले 1 साल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की न्यूनतम कीमत 68000 थी। 1 अप्रैल 2025 में सोने की कीमत 91190 तथा 20 मार्च 2026 को 155000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

इसी तरह 1 अप्रैल 2025 को चांदी की कीमत 103900 प्रति किलो थी। जो 20 मार्च 2026 को 2.31 लाख प्रति किलो पर पहुंच गई। पिछले 1 साल में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार वृद्धि और गिरावट का यह दौर देखने को मिल रहा है। वर्तमान में जब सारी दुनिया के देशों में अमेरिका-इजराइल और ईरान के युद्ध कारण आग लगी हुई है। ऐसे समय में सोने और चांदी की कीमतों में हाल ही में गिरावट देखने को मिल रही है। जिसको लेकर अनिश्चय की स्थिति देखने को मिल रही है। सारी दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले 20 दिनों में शेयर बाजार में लगभग 26 फ़ीसदी की गिरावट देखने को मिली है। भारत सहित अमेरिका, जापान, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस तथा ब्रिटेन के शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसमें सबसे बड़ी गिरावट भारत, जापान और जर्मनी के शेयर बाजारों में देखने को मिल रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। शेयर बाजार की गिरावट और वित्तीय अस्थिरता का असर बैंकों और वित्तीय संस्थानों में भी स्पष्ट रूप से पड़ रहा है। 2008 में जो अमेरिका की आर्थिक स्थिति थी, वही स्थिति अब दुनियाभर के देशों में बनती हुई दिख रही है। जिसके कारण बैंकों और वित्तीय संस्थानों के दिवालिया होने का खतरा भी बढ़ने लगा है। इसी बीच सोने और चांदी की कीमत जो हमेशा युद्ध के समय पर तेज होती हैं, उनमें भी गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है।

जिसके कारण लोगों में घबराहट है। पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी के दाम बड़ी तेजी के साथ घटे और बढ़े थे। शेयर बाजार और बैंकों से पैसा निकालकर लोग सोने चांदी में निवेश करके मुनाफा वसूली कर रहे हैं। जिसके कारण सोने चांदी के दामों में शेयर बाजार की तरह ही उतार-चड़ाव देखने को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जिस तरह की स्थिति वर्तमान में बनी हुई है, उसमें सोना-चांदी एवं कीमती धातुएं, मुद्रा के रूप में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य होंगी। युद्ध के इस दौर में जब बड़ी-बड़ी महाशक्तियां इसमें शामिल हैं, इसको देखते हुए मुद्रा के रूप में सोने और चांदी की कीमतें जैसे ही युद्ध की स्थिति में स्थिरता आएगी। उसमें सबसे ज्यादा कीमत सोना की होगी। सोना को हमेशा से मुद्रा के रूप में सारी दुनिया स्वीकार करती रही है। आगे भी करती रहेगी। सोना ही सबसे विश्वसनीय मुद्रा सारी दुनिया में मानी जाती है। सोने और चांदी के दामों में गिरावट मुनाफा वसूली के कारण है। इनके दाम भविष्य में भी बढ़ते रहेंगे, ऐसा आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से की भेंट, अध्यात्म और जनकल्याण पर हुई चर्चा

वृंदावन ,(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान शुक्रवार को राष्ट्रपति वृंदावन पहुंची, जहां उन्होंने श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हुई इस शिष्टाचार भेंट में राष्ट्रपति और महाराज ने मुख्य रूप से अध्यात्म, सेवा और जनकल्याण जैसे विषयों पर चर्चा की।

श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचते ही प्रेमानंद महाराज के अनुयायियों और शिष्यों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भव्य और पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। राष्ट्रपति ने आश्रम में समय बिताते हुए संत के आशीर्वाद लिया और उनके विचारों को समझा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक मार्गदर्शक समाज में सेवा और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। उनके साथ बातचीत में दोनों ने समाज की भलाई और लोगों के कल्याण पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित संस्था वात्सल्य ग्राम में भी जाएंगी। यह संस्था बुजुर्गों और अनाथ बच्चों की देखभाल के लिए जानी जाती है और राष्ट्रपति वहां जाकर संस्थान के कामकाज की जानकारी लेंगी और बच्चों व बुजुर्गों से मिलेंगी।

राष्ट्रपति की यात्रा का अंतिम दिन 21 मार्च को गोवर्धन के दंगहाटी मंदिर में प्रार्थना और सात मील की पारंपरिक गोवर्धन परिक्रमा के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वे नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी। इससे पहले, उन्होंने 19 मार्च को अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में 'श्री राम यंत्र' की स्थापना की और वैदिक मंत्रों के साथ प्रार्थना की। यह यंत्र मंदिर

की दूसरी मंजिल पर स्थापित किया गया है और इसे मंदिर निर्माण का अंतिम स्तर माना जाता है। इस स्थापना के साथ ही मंदिर का निर्माण कार्य पूरी तरह से पूरा हुआ माना जा रहा है।

इसके बाद राष्ट्रपति गुरुवार शाम मथुरा पहुंचीं और वहां इस्कॉन मंदिर गईं। उन्होंने मंदिर में प्रार्थना की और शाम की आरती में भाग लिया।

एप्पल की नकली मोबाइल एक्सेसरीज बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़, लाखों का सामान जब्त

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस ने नकली ब्रांडेड सामान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए घाटकोपर इलाके में एक संगठित मोबाइल एक्सेसरीज रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मुंबई पुलिस के पंतनगर पुलिस स्टेशन की टीम ने छापेमारी कर एप्पल ब्रांड के नाम पर बेचे जा रहे करीब 16.33 लाख रुपए के नकली सामान को जब्त किया। इस मामले में 6 दुकानदारों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जानकारी मिली थी कि घाटकोपर पूर्व के पटेल चौक और निलयोग मॉल इलाके की कुछ दुकानों में एप्पल इंक के नाम पर फर्जी मोबाइल एक्सेसरीज बेची जा रही हैं। पुलिस ने एक खास रणनीति बनाई और टीम को 6 अलग-अलग ग्रुप में बांटकर एक साथ छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान 6 दुकानों पर कार्रवाई की गई, जहां से नकली सामान बरामद हुआ। जब्त किए गए सामान में मोबाइल चार्जर, एडॉप्टर, यूएसबी केबल, मोबाइल कवर, बैक पैनल, ईयरफोन, एयरपॉड्स और बैटरियां शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी उत्पाद एप्पल ब्रांड की हूबहू नकल कर बनाए गए थे और ग्राहकों को असली बताकर बेचे जा रहे थे। इस कार्रवाई में एप्पल कंपनी की टीम भी शामिल रही। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों ने मौके पर ही जांच कर पुष्टि की कि बरामद किया गया पूरा सामान नकली है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और तकनीकी पहचान का सहारा लिया गया।

एलपीजी संकट के बीच सरकार ने लागू किया ईसीएस, तेल और गैस कंपनियों को साझा करना पड़ेगा सारा डाटा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तेल-गैस के वैश्विक संकट के बीच सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। इस कानून के तहत अब पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस से जुड़े उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, आयात-निर्यात, मार्केटिंग और उपभोग से संबंधित सभी कंपनियों को सरकार के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को ताज़ा डेटा देना अनिवार्य होगा।

पीपीएसी, पेट्रोलियम मंत्रालय का डेटा संग्रहण विभाग है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत जारी राजपत्र अधिसूचना में पीपीएसी को सूचना एकत्र करने, संकलित करने, संरक्षित रखने और विश्लेषण करने वाली एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इससे आपात स्थिति में तेल मंत्रालय को प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी। धारा 3 के तहत जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन अपराध माना जाएगा, जिसके लिए जेल की सजा का प्रावधान है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम का उद्देश्य नागरिकों को उचित कीमतों पर जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराना है। यह कानून जमाखोरी, कालाबाजारी और कृत्रिम कमी को रोकने में भी मदद करता है, जिससे देश में खाद्य और आपूर्ति सुरक्षा बनी रहती है।

धारा 3 के अंतर्गत केंद्र सरकार उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित कर सकती है। इसके तहत स्टॉक सीमा तय करने, व्यापार को विनियमित करने, कीमतें निर्धारित करने और जमाखोरी पर रोक लगाने का अधिकार है। वहीं, धारा 5 के तहत केंद्र सरकार इन शक्तियों को राज्य सरकारों को सौंप सकती है, ताकि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

राज्यसभा चुनाव के बाद हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा सरकार ने राज्य सभा चुनाव के महज दो दिन बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 23 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादले और विभागों में बदलाव किये हैं। जारी आदेशों के अनुसार कई वरिष्ठ अधिकारियों के विभाग बदले गए हैं, जबकि कुछ को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। यह आदेश राज्यपाल की मंजूरी के बाद तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये गये हैं।

इस फेरबदल में डॉ राजा शेखर गुंडरू को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से हटाकर मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है, जबकि परिवहन विभाग उनके पास यथावत रहेगा। जी. अनुपमा को नागरिक उड्डयन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। अपूर्व कुमार सिंह को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से हटाकर उच्च शिक्षा और लोक निर्माण एवं वास्तुकला विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है।

अनुराग अग्रवाल को नगर एवं देशी नियोजन तथा शहरी संपदा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। विजयेन्द्र कुमार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग सौंपा गया है, जबकि पंकज अग्रवाल को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है।

हरियाणा क्रॉस वोटिंग मामला : कांग्रेस के 5वें विधायक का नाम आया सामने, पार्टी ने भेजा नोटिस; 4 से पहले जवाब मांगा जा चुका

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने के मामले में कांग्रेस के 5वें विधायक का नाम सामने आ गया है। ये फतेहाबाद की रतिया सीट से विधायक जरनैल सिंह हैं। कांग्रेस अनुशासन समिति ने शुक्रवार को उन्हें नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है।

अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने इसकी पुष्टि की। समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक की ओर से इससे पहले चार विधायकों को नोटिस जारी किया जा चुका है। 5वें नाम पर सस्पेंस बना हुआ था।

पार्टी के संज्ञान में आया है कि राज्यसभा चुनाव में आपने पार्टी की ओर से जारी निर्देशों का पालन नहीं किया। जिसका नतीजा यह निकला कि आपकी वोट पार्टी हित में नहीं गई। इससे ऐसा लगता है कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए जानबूझकर ऐसा किया गया। ये पार्टी के संविधान, रूल और नॉर्म्स का उल्लंघन है।

इसलिए आप 7 दिन के भीतर स्पष्ट करें कि क्यों ना आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। यदि आपकी तरफ से दिए गए समय में कोई जवाब नहीं आता है तो आपको एक्स पार्टी मानते हुए पार्टी नियमों के अनुसार कार्रवाई करेगी।

हरियाणा के लिए 1122 करोड़ रुपये की कृषि कार्य योजना को मंजूरी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लगभग 1122 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी दी गयी है। यह स्वीकृति प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक में दी गयी।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने की, जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। मुख्य सचिव ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समय पर फंड के उपयोग और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके। उन्होंने मशीनीकरण, फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता भी बतायी। बैठक में पीएम-आरकेवीवाई, कृषोन्नति योजना और प्राकृतिक कृषि मिशन के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जारी 318.17 करोड़ रुपये में से 240.46 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग दर को दर्शाता है। सरकार का लक्ष्य है कि इन योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि को अधिक आधुनिक और टिकाऊ बनाया जाये।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी (सेवानिवृत्त) ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

केरल में भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व करेंगे पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभियान निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा केरल में एक आक्रामक अभियान की तैयारी कर रही है। इसमें ऐतिहासिक सफलता हासिल करने के प्रयास में पार्टी अपनी शीर्ष राष्ट्रीय नेतृत्व टीम को तैनात कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री समेत अन्य वरिष्ठ नेता केरल पहुंचने वाले हैं, जो 140 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा का खाता खोलने की पार्टी की दृढ़ता को दर्शाता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो त्वरित दौरों पर प्रमुख जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान वह रैलियों को संबोधित करेंगे और कार्यकर्ताओं को उत्साहित करेंगे।

भाजपा के अभियान का खाका राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कसर्गोड, पलक्कड़, तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और त्रिशूर में उच्च दृश्यता वाली पहुंच पर केंद्रित है। पार्टी अपने हाल के चुनावी लाभों से आत्मविश्वास ले रही है। सबसे प्रमुख है अभिनेता से राजनीतिज्ञ बने सुरेश गोपी की त्रिशूर लोकसभा सीट पर 70,000 से अधिक मतों से हासिल की गई जीत शामिल है।

इसके बाद दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने तिरुवनंतपुरम निगम पर नियंत्रण हासिल किया, जो इस राज्य में पार्टी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है, जहां उसे परंपरागत रूप से स्थान पाने में कठिनाई रही है।

हालांकि आंकड़े मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 15.64 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त किया जबकि 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों में यह थोड़ी गिरकर 14.71 प्रतिशत रह गई।

इसके बावजूद, पार्टी उत्साहित बनी हुई है और 2021 विधानसभा चुनावों में नौ सीटों पर दूसरे स्थान पर आने को बढ़ती पकड़ का सबूत मानते हुए लगातार सक्रिय है।

भारत-म्यांमार सीमा पर 23.72 करोड़ की मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त, एक वाहन बरामद

चम्फाइ(आरएनएस)। मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत असम राइफल्स और चम्फाई पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद कीं। इन गोलियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 23.72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह संयुक्त अभियान सीमा क्षेत्र के एक संवेदनशील मार्ग ह्मुनह्मेल्था रोड के पास चलाया गया। इस इलाके को तस्करी के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, जहां से अक्सर अवैध गतिविधियों की सूचनाएं मिलती रहती हैं। इसी आधार पर सुरक्षाबलों ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

हिमाचल की कांग्रेस विधायक ने अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के कारण एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर मांगा स्पष्टीकरण

शिमला,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक अनुराधा राणा ने गुरुवार को राज्य में एलपीजी सिलेंडरों की कमी और व्यावसायिक सिलेंडरों की सीमित उपलब्धता पर में गंभीर चिंता व्यक्त की और इस मुद्दे को अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच चल रहे तनाव से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं से जोड़ा।

शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए सुश्री राणा ने कहा कि राज्य भर में, विशेष रूप से लाहौल-स्पीति जैसे दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में, एलपीजी आपूर्ति पर स्पष्टता की कमी के कारण लोग भ्रम और चिंता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक कमी की आशंका के बीच परिवार सिलेंडर बुक कराने के लिए दौड़ रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है कि यह स्थिति कब तक बनी रहेगी।

उन्होंने ज़ोर दिया कि यह समस्या केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि व्यवसायों को भी प्रभावित कर रही है। कई आतिथ्य इकाइयाँ, विशेष रूप से पर्यटन पर निर्भर क्षेत्रों में, व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण मुश्किलों का सामना कर रही हैं। सुश्री राणा ने आगे बताया कि किसान उर्वरकों और ईंधन की आपूर्ति को लेकर चिंतित हैं, जिससे स्थिति जारी रहने पर कृषि गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर महसूस किया जा रहा है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार दोनों से जनता की परेशानी कम करने के लिए समय पर निर्णय लेने और उपाय लागू करने का आग्रह किया। अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया और आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार इस पर संज्ञान लेगी और जल्द ही एक बयान जारी करेगी।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई 50 हजार रिश्वत लेते दो आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को की गयी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण कुमार (संचालक, कॉमन सर्विस सेंटर, जिला नूंह) और गिराज (निवासी वार्ड नंबर 4, पुन्हाना) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एसीबी थाना गुरुग्राम में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 7ए तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसके पति की मृत्यु के बाद उसने दीन दयाल परिवार सुरक्षा योजना के तहत पांच लाख रुपये की सहायता राशि के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि आरोपियों ने राशि जारी करवाने के बदले पहले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी, जिसे बाद में 50 हजार रुपये पर तय किया गया।एसीबी टीम ने योजना बनाकर शिकायतकर्ता को पैसे के साथ भेजा। जैसे ही आरोपियों ने रिश्वत ली, टीम ने बड़कल चौक पर छापा मारकर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया।

दिल्ली-एनसीआर : बरसात का दौरा जारी, तापमान में आई गिरावट, एक्यूआई भी ग्रीन और येलो जोन में पहुंचा

नोएडा (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एनसीआर में मौसम ने बीते दो दिनों की तरह आज भी अपना रुख बरकरार रखा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे और दिनभर हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं कभी-कभी 50 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली।

आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक सुबह, दोपहर, शाम और रात—चारों समय में अलग-अलग चरणों में बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं वायु गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण आंकड़ों के अनुसार एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अब ग्रीन और येलो जोन में पहुंच गया है। अलीपुर में एक्यूआई 91, आया नगर में 90 और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 96 दर्ज किया गया, जो ग्रीन श्रेणी में आता है।

वहीं आनंद विहार में एक्यूआई 178, बवाना में 122, चांदनी चौक में 116 और कैंटोनमेंट एरिया में 124 दर्ज किया गया, जो येलो (मध्यम) श्रेणी में शामिल है।

केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी, मुर्शिदाबाद से आया कॉल, सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी दी गई है। जयंत चौधरी को एक अनजान नंबर से कॉल आया था। आरोपी ने उन्हें गोली मारने की धमकी दी। बताया गया है कि धमकी देने वाला व्यक्ति पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला है। फिलहाल, जयंत चौधरी के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और दिल्ली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी के निजी सहायक विश्वेंद्र शाह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, दो दिन पहले मंत्री जयंती चौधरी अपने आवास से संसद के लिए निकले थे। संसद पहुंचने के बाद एक फोन आया था। लगातार तीन से चार बार कॉल किए गए थे। एक बार जब फोन उठाया गया तो दूसरी तरफ से सीधे गोली मारने की धमकी दी गई थी। उसने बोला कि जो फोटो भेजी है वो देखी है या नहीं देखी है। मैंने फोन कट होने के बाद जैसे ही व्हाट्सअप पर फोटो को देखा तो उसमें मंत्री जयंत चौधरी की आधिकारिक यात्राओं का शेड्यूल था। उस शेड्यूल के साथ व्हाट्सअप पर भेजे गए एक फोटो में सीधे गोली मारने की बात का भी उल्लेख था। उन्होंने बताया, जिस जिले में मंत्री का दौरा होता है, तो इसके लिए एक पूरा शेड्यूल होता है। उसे सिर्फ जिले के अधिकारियों के पास भेजा जाता है, लेकिन वह शेड्यूल धमकी देने वाले व्यक्ति के पास था। धमकी देने वाले व्यक्ति के पास मंत्री जयंत चौधरी के आगरा के कार्यक्रम का शेड्यूल था।

जयंत चौधरी के निजी सहायक विश्वेंद्र शाह ने कहा कि दिल्ली पुलिस को इस मामले को लेकर शिकायत दी गई है। पुलिस अपनी जांच कर रही है। इसमें आरोपी की लोकेशन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में ट्रेस हुई है। मतलब कि धमकी भरा कॉल बंगाल के मुर्शिदाबाद से आया था। आरोपी की पहचान इस्लाइल के रूप में हुई है।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। वशीकरणम मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।

स्नेहलता ने आगे कहा, थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।

स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए वशीकरणम शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

मातृभूमि का नया गाना चांद देख लेना जारी, सलमान खान ने ईद पर दिया तोहफा

सलमान खान दर्शकों को पहली झलक से एक्साइटेड करने के बाद, अपने फैंस के लिए ईद का तोहफा लेकर आए हैं। सलमान खान फिल्म्स ने अब मातृभूमि मे वार रेस्ट इन पीस से सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया पूरा गाना चांद देख लेना रिलीज कर दिया है। ईद के खास अवसर पर रिलीज हुआ यह गाना चांद

के महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का ही एक बड़ा हिस्सा है।जहां ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतज़ार और भरोसे को दिखाता है। चांद देख लेना इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है। फिल्म के टाइटल ट्रैक मातृभूमि को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। फिर वेलेंटाइन डे पर मैं हूं गाना आया और अब इस नए गाने चांद देख लेना ने फिल्म की कहानी और इसके म्यूज़िक को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है।हिमेश रेशमिया के संगीत से सजा यह गाना बॉलीवुड के पुराने और सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह गाना एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच के इमोशनल सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। वीडियो में चित्रांगदा सिंह का किरदार एक फौजी की पत्नी की हिम्मत और सब्र को दिखाता है, जो सरहद पर तैनात अपने पति (सलमान खान) का घर लौटने का इंतज़ार करती हैं। यह गाना उन परिवारों की ताकत को सलाम करता है जो देश की रक्षा करने वालों के पीछे चट्टान बनकर खड़े रहते हैं।संगीत की दुनिया में कुछ नया करने के लिए, सलमान खान ने इस गाने के जरिए नए टैलेंट को मौका दिया है। चांद देख लेना को युवा गायक निहाल टौरो, जो अपने आध्यात्मिक भजनों और कीर्तनों के लिए मशहूर हैं, और अंकोना मुखर्जी ने गाया है। सलमान खान ने अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इन दोनों गायकों को मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक बड़ा ब्रेक दिया है।

धुरंधर 2 के प्रीमियर शो ने बिगाड़ा द केरल स्टोरी 2 का रिकॉर्ड, 20वें दिन हुई बस इतनी कमाई

द केरल स्टोरी 2 में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे मंगलवार यानी 19वें दिन तक हर दन एक करोड़ से ऊपर ही कमाई की. लेकिन अब 'धुरंधर 2' की रिलीज ने इस फिल्म का पूरा खेल बिगाड़ दिया है. जानते हैं रिलीज के तीसरे बुधवार यानी 20वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है ?द केरल स्टोरी 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है. यहां तक कि ये अपना बजट वसूलने के साथ ही 70 फीसदी से ज्यादा मुनाफा भी बटोर चुकी है इसलिए ये साल की सक्सेसफुल फिल्मों की लिस्टम शामिल हो गई है. हालांकि रिलीज के 20वें दिन धुरंधर 2 के प्रीमियर शो के चलते इसकी कमाई को झटका लगा और इसने तीसरे बुधवार अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया ह.फिल्म की कमाई की बात करे तो पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ कमाने वाली द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे हफ्ते में 17.16 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते के 15वें दिन इसने 1.50 करोड़, 16वें दिन 2.75 करोड़, 17वें दिन 3.15 करोड़, 18वें दिन 1.13 करोड़ और 19वें दिन 1.58 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 80 लाख कमाए हैं.इसी के साथ द केरल स्टोरी 2 की 20 दिनों की कुल कमाई अब 51.15 करोड़ रुपये हो गई है.द केरल स्टोरी 2 साल 2026 की चौथी बॉलीवुड फ़िल्म बन गई है जिसने 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है. यह फ़िल्म बॉर्डर 2, मर्दानी 3 और ओ रोमियो

के बाद इस लिस्ट में शामिल हुई है. हालांकि सिनेमाघरों में धुरंधर 2 की रिलीज के साथ अब इस फ़िल्म के पास कमाई करने का मौका नहीं रहा है. रणवीर सिंह की फिल्म के प्रीमियर शो ने ही द केरल स्टोरी 2 की हालत खराब कर दी अब 19 मार्च से ये दुनियाभर के सिनेमाघरों में दहाड़ेगी तो इस फिल्म के लिए कमाई करना मुश्किल हो जाएगा।

सूर्या अभिनीत फिल्म करुप्पु की रिलीज डेट तय, मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से उठाया पर्दा

सूर्या इस साल अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म करुप्पु के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। आरजे बालाजी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। जानिए कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी यह फिल्म ?फिल्म मेकर्स ने इंस्टाग्राम हैंडल पर करुप्पु से सूर्या का एक खास पोस्टर शेयर किया और साथ ही इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया। उन्होंने लिखा जो लोग सूर्या की फिल्म करुप्पु की रिलीज का इंतजार कर रहे थे, वो आ गई है। करुप्पु 14 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म करुप्पु एक वकील की कहानी है, जो किसी देवता के वश में हो जाता है और समाज के कुछ लोगों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ता है। फिल्म में सूर्या के साथ तृषा कृष्णन मुख्य अभिनेत्री के किरदार में हैं। इसमें इंद्रांस, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी, योगी बाबू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। आरजे बालाजी खुद एक छोटी कैमियो भूमिका में दिखेंगे।

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अप्रैल में होगी स्ट्रीम ? आया ये अपडेट

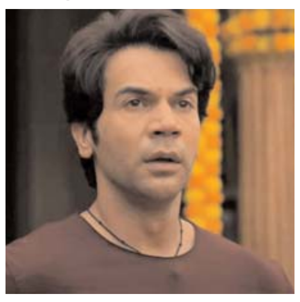

राजकुमार राव ने अपने प्रोडक्शन कम्पा फिल्म्स के तहत बनी पहली फिल्म टोस्टर का ऐलान 2025 में किया था। उस वक्त फिल्म का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया गया था जिसमें सान्या मल्होत्रा भी शामिल थीं। तब से फैंस राजकुमार और सान्या अभिनीत फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालिया अपडेट में बताया गया है कि यह डार्क-कॉमेडी फिल्म अपनी डिजिटल स्ट्रीमिंग को लेकर कमर कस चुकी है। इसका प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स के कमिंग सून सेक्शन में जारी किए गए नए प्रीव्यू के अनुसार, टोस्टर का प्रीमियर अप्रैल, 2026 में किया जा सकता है। फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है, जबकि पटकथा रवेज शेख, अनघ मुखर्जी और अक्षत घिल्डियाल ने मिलकर लिखी है। टोस्टर एक डार्क कॉमेडी और गंभीर अपराध वाली फिल्म है जो एक रद्द हुई शादी की रस्म के बाद शादी के तोहफे की अराजक खोज को उजागर करती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही पूरी होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है। समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

गर्मियों के दौरान गर्भवती महिलाएं अपनाएं ये 5 आसान और प्रभावी टिप्स

गर्भावस्था एक अहम और संवेदनशील समय होता है, जिसमें महिलाओं को खास देखभाल और सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। गर्मियों में बढ़ता तापमान और उमस गर्भवती महिलाओं के लिए कई चुनौतियां पैदा कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में सुरक्षित और स्वस्थ रह सकती हैं। इन उपायों को अपनाकर आप न केवल अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख पाएंगी, बल्कि अपने होने वाले बच्चे का भी ख्याल रख पाएंगी।

पर्याप्त पानी पिएं

गर्मियों में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पानी आपके शरीर को तरोताजा रखता है और पानी की कमी से बचाता है। कोशिश करें कि दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा आप नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी ले सकती हैं। इससे आपका शरीर पानी से भरपूर रहेगा और आपको थकान या चक्कर आने जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

हल्के कपड़े पहनें

गर्भावस्था के दौरान हल्के कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। सूती या लिनन जैसे हल्के कपड़े पहनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने देंगे और आपको ठंडक पहुंचाएंगे। तंग कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे आपके शरीर पर दबाव डाल सकते हैं और असुविधाजनक हो सकते हैं। ढीले-ढाले कुर्ते और सलवार या सूती साड़ी पहनें, जो न केवल आरामदायक हों बल्कि स्टाइलिश भी दिखें।

समय-समय पर आराम करें

गर्भावस्था में शरीर पर अतिरिक्त भार होता है, इसलिए समय-समय पर आराम करना बहुत जरूरी है। काम करते समय थोड़ी-थोड़ी देर बाद बैठकर आराम करें या लेट जाएं। इससे आपकी थकान कम होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगी, खासकर अगर आप गर्मियों में कोई भी भारी काम कर रही हों तो बीच-बीच में आराम करना न भूलें। इससे आपका शरीर ऊर्जा से भरा रहेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगी।

पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें

गर्भावस्था के दौरान सही पोषण लेना बहुत जरूरी है। अपने खाने में फल, सब्जियां, दालें और दूध से बने उत्पाद शामिल करें ताकि आपके शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिल सकें। ताजे फलों का रस या स्मूदी पीएं, जो आपके शरीर को ठंडक देंगे और आपको ऊर्जा प्रदान करेंगे। इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, मूंगफली और बादाम जैसे नट्स भी आपके खाने में शामिल करें, जो आपके लिए फायदेमंद होंगे।

बाहर जाने से पहले मौसम देखें

अगर आपको बाहर जाना जरूरी हो तो पहले मौसम की जानकारी ले लें ताकि आपको अत्यधिक गर्मी या बारिश जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। सुबह या शाम के समय ही बाहर निकलें जब तापमान कम हो। इस तरह आप न केवल सुरक्षित रहेंगी बल्कि अपने दिनचर्या को भी आसानी से पूरा कर पाएंगी। इन सरल लेकिन प्रभावी उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में गर्भावस्था का आनंद ले सकती हैं।

मीठा खाने की इच्छा को कम करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

मीठा खाने की इच्छा एक आम समस्या है, खासकर जब हम तनाव में होते हैं या थकावट महसूस करते हैं। यह इच्छा न केवल हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, बल्कि हमारे वजन को भी बढ़ा सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप मीठा खाने की इच्छा को कम कर सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं।

पानी पीएं

जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं। कई बार हमें लगता है कि हम भूखे हैं, जबकि वास्तव में हमें प्यास लगी होती है। पानी पीने से हमारी प्यास बुझ जाती है और मीठे की इच्छा कम हो जाती है। इसके अलावा पानी पीने से हमारे शरीर में तरलता बनी रहती है और पाचन क्रिया भी सही तरीके से काम करती है। यह एक सरल और प्रभावी तरीका है।

फल खाएं

फल प्राकृतिक रूप से मीठे होते हैं और इनमें विटामिन्स, खनिज और फाइबर होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, एक केला या सेब खा लें। इससे आपकी मीठे की इच्छा भी पूरी होगी और शरीर को जरूरी पोषण भी मिलेगा। फल खाने से आपको ताजगी का एहसास होगा और यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प भी है। इसके अलावा फल खाने से आपको ऊर्जा भी मिलेगी।

डार्क चॉकलेट खाएं

अगर आपको चॉकलेट खाने का बहुत शौक है तो डार्क चॉकलेट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसमें कम चीनी होती है और यह शरीर के लिए फायदेमंद तत्वों से भरपूर होती है। डार्क चॉकलेट खाने से हमारी मीठे की इच्छा भी शांत होती है और साथ ही यह हमें ऊर्जा भी देती है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व हमारी सेहत के लिए लाभकारी होते हैं, जिससे हम स्वस्थ और ताजगी महसूस करते हैं।

योग और ध्यान करें

योग और ध्यान हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होते हैं। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, थोड़ी देर योग या ध्यान करें। इससे आपका मन शांत होगा और मीठे की इच्छा कम होगी। योग और ध्यान से न केवल मानसिक तनाव कम होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। यह एक प्रभावी तरीका है, जिससे आप मीठे की आदत को नियंत्रित कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

प्रोटीन युक्त खाना खाएं

प्रोटीन युक्त खाना खाने से हमारी भूख कम होती है और हमें लंबे समय तक संतुष्टि मिलती रहती है। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, थोड़ी मात्रा में मूंगफली या बादाम खा लें।

इससे आपकी मीठे की इच्छा भी शांत होगी और साथ ही आपको जरूरी पोषण भी मिलेगा। इसके अलावा प्रोटीन युक्त खाने से ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है।

नेतन्याहू का अमेरिका को युद्ध में घसीटने से इनकार, बोला- ईरान की परमाणु-मिसाइल निर्माण क्षमता खत्म

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ युद्ध के 20वें दिन अंतरराष्ट्रीय मीडिया के साथ पहली प्रत्यक्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने जीवित होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि ईरान अब परमाणु हथियार या बैलिस्टिक मिसाइलों का निर्माण नहीं कर सकता। वह बुरी तरह तबाह हो चुका है। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका को शामिल करने के फैसले पर कहा कि अमेरिका अपने फैसले लेने में खुद सक्षम है, उस पर कोई दबाव नहीं बना सकता।

नेतन्याहू ने कहा, 20 दिन बाद, मैं बता सकता हूं कि आज ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन और बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन करने की कोई क्षमता नहीं। हम इनको कुचलना जारी रखेंगे। ईरान काफी कमजोर है, जबकि इजरायल क्षेत्रीय शक्ति है और कुछ लोग इसे विश्व शक्ति भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि जून में ऑपरेशन राइजिंग लायन में मिसाइल और परमाणु हथियार के बुनियादी ढांचे को नष्ट किया था, अब उनके पुर्जे बनाने वाले कारखाने नष्ट कर रहे हैं।

इजरायल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध में शामिल करने का आरोप लग रहा है, जिस पर नेतन्याहू ने कहा, क्या सच में कोई सोचता है कि कोई राष्ट्रपति ट्रंप को बता सकता है कि उन्हें क्या करना चाहिए? राष्ट्रपति वही निर्णय लेते हैं जो उन्हें अमेरिका के लिए अच्छा लगता है। मैंने किसी को गुमराह नहीं किया। मुझे यह समझाने की जरूरत नहीं पड़ी कि ईरान को रोकना कितना जरूरी है। वह समझते थे। उन्होंने मुझे समझाया, मैंने नहीं।

एक दिन पहले इजरायल ने ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर के रास लफान गैस संयंत्र पर मिसाइल दागी, जिससे ट्रंप नाराज हुए। इससे जाहिर हुआ कि इजरायल-अमेरिका के बीच हमले को लेकर समन्वय नहीं हुआ। नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस संभावना को खारिज कर कहा कि गैस परिसर पर हमला इजरायल ने अकेले किया था और ट्रंप ने भविष्य में हमले रोकने को कहा है, जो हमनें स्वीकारा है।

नेतन्याहू ने होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा बंद किए जाने पर कहा कि तेल और गैस के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंडाब जलडमरूमध्य के अवरोधी मार्गों की जगह वैकल्पिक मार्ग होना चाहिए। उन्होंने युद्ध की समयसीमा पर कहा कि उन्हें यह भी लगता है कि यह युद्ध लोगों की सोच से कहीं अधिक तेजी से समाप्त हो जाएगा।

दक्षिण कोरिया की ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कम से कम 53 लोग हुए घायल

सियोल (आरएनएस)। दक्षिण कोरिया के शहर डेजॉन में एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में शुक्रवार को आग लगने से कम से कम 53 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि घायलों की संख्या बढ़ सकती है। शहर के फायर चीफ नाम ड्यूक-वू ने बताया कि इनमें से 24 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। अधिकारी कम से कम 14 अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि आग लगने के समय वो फैक्ट्री के अंदर ही थे।

अधिकारी तुरंत इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए कि घायलों में से किसी की मौत हुई है या नहीं। घटनास्थल से मिले वीडियो में फैक्ट्री परिसर से घना, भूरे रंग का धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा था। आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:17 बजे मिली। नाम ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तुरंत पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि आग बहुत तेजी से फैली। प्रत्यक्षदर्शियों ने कथित तौर पर एक धमाके की आवाज भी सुनी थी।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग की वजह से फैक्ट्री की एक इमारत पूरी तरह से तबाह हो गई। दमकलकर्मी इमारत के अंदर नहीं जा पाए, क्योंकि उन्हें इस बात का डर था कि इमारत ढह सकती है। दमकलकर्मियों का मुख्य ध्यान आग को पास की दूसरी फैक्ट्री तक फैलने से रोकने और घटनास्थल से रसायनों को हटाने पर केंद्रित था।

सूत्रों ने बताया कि कुछ लोग इमारत से कूदकर भागने की कोशिश में घायल हो गए, जबकि कुछ अन्य धुएं से बुरी तरह प्रभावित हुए। पुलिस अभी भी लापता 14 लोगों के मोबाइल फोन सिग्नल ट्रैक कर रही है। आग बुझाने वाले 250 से अधिक दमकलकर्मी, पुलिस और अन्य आपातकालीन कर्मियों को तैनात किया गया था, साथ ही लगभग 100 वाहन और उपकरण भी लगाए गए थे। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने आग पर काबू पाने और बचाव कार्यों में सहायता के लिए कर्मियों और उपकरणों को पूरी तरह से जुटाने का निर्देश दिया है।

ईरान में 19 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय कुश्ती पहलवान की फांसी, अन्य ईरानी खिलाड़ियों में पसरी चिंता?

तेहरान, (आरएनएस)। ईरान के इस्लामी शासन ने गुरुवार को 3 लोगों को गुपचुप तौर पर फांसी दी है, जिसमें से एक 19 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय कुश्ती पहलवान सालेह मोहम्मदी भी शामिल हैं। तीनों को इस साल जनवरी में हुए सरकारी विरोधी देशव्यापी आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2 पुलिस अधिकारियों की हत्या समेत कई आरोप हैं। सालेह की फांसी के बाद हिरासत में लिए गए अन्य एथलीटों के भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई हैं।

हेंगाव मानवाधिकार संगठन ने मोहम्मदी की कुश्ती का वीडियो पोस्ट कर एक्स पर लिखा कि मोहम्मदी को 19 मार्च, 2026 की गुरुवार की सुबह कोम केंद्रीय जेल में ईश्वर के विरुद्ध शत्रुता (मोहारेबेह) के आरोप में गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई। जो वीडियो संगठन ने साझा किया है, वह मोहम्मदी ने ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया था, जिसमें उनकी खेल यात्रा का विवरण था। फांसी पाए 2 अन्य लोग मेहदी गसेमी और सईद दाऊदी हैं।

मोहम्मदी का जन्म 2007 में हुआ था। उन्होंने सितंबर 2024 में रूस के क्रास्नोयार्स्क में आयोजित सैतियेव अंतरराष्ट्रीय कप में ईरान की राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम के लिए कांस्य पदक जीता था। ईरान में प्रदर्शन के दौरान फुटबॉलर मोहम्मद हुसैन हुसैनी, वाटर पोलो गोलकीपर अली पिशेवरजादेह, मैराथन धावक निलोफर पास, किकबॉक्सिंग चैंपियन बेंजामिन नाघदी, किशोर फुटबॉलर अबोलफजल दोख्त, मुक्केबाज मोहम्मद जावद वफेई सानी और कई कोच भी हिरासत में हैं।

ट्रंप की निकली हेकड़ीः ईरान ने अमेरिकी विमान स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को किया क्षतिग्रस्त

तेहरान,(ए.)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष में, अमेरिका का सबसे आधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 संदिग्ध रूप से ईरानी हमले की चपेट में आ गया। इस हमले के बाद विमान को मध्य पूर्व के एक गुप्त एयरबेस पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने पुष्टि की है कि यह फाइटर जेट ईरान के ऊपर एक कॉम्बैट मिशन पर था, तभी उसे नुकसान पहुंचा। हालांकि, राहत की बात यह है कि पायलट सुरक्षित है। यदि स्वतंत्र रूप से इस हमले की पुष्टि होती है, तो इस युद्ध में यह पहली बार होगा जब ईरान ने सीधे तौर पर किसी अमेरिकी अत्याधुनिक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया है।

इससे पहले भी अमेरिकी वायुसेना को इस संघर्ष में नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन वे घटनाएं तकनीकी खामियों या गलतफहमी का परिणाम थीं। हाल ही में तीन एफ-15 विमान कुवैत की एयर डिफेंस प्रणाली द्वारा गलती से मार गिराए गए थे, जबकि इराक में एक रिफ्यूलिंग विमान क्रैश होने से 6 सैनिकों की मौत हो गई थी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इस युद्ध को गैरकानूनी करार देते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। दूसरी ओर, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर विराम लग गया है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका ने 16 विमान खोए

वाशिंगटन,,(ए.)। इजरायल से मिलकर ईरान के खिलाफ जंग लड़ रहे अमेरिका ने पिछले 20 दिन में अपने 16 विमान खो दिए, जिसमें 12 ड्रोन, 3 लड़ाकू विमान और एक बड़ा सैन्य विमान शामिल है। अमेरिकी सेना ने अभी किसी भी विमान को दुश्मन द्वारा गिराए जाने की पुष्टि नहीं की गई है। सभी विमान किसी हादसे का शिकार हुए हैं। यह खबर तब सामने आई, जब ईरानी सेना ने एक अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को क्षतिग्रस्त करने का दावा किया है।अमेरिका ने 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध में करीब 12 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खोए हैं। इसमें 9 ड्रोन को ईरानी रक्षा प्रणाली ने मार गिराया है, जबकि एक ड्रोन जॉर्डन के हवाई अड्डे पर हमले मिसाइल हमले से नष्ट हुआ। इसके अलावा 2 अन्य रीपर ड्रोन हादसों में नष्ट हुए हैं। यह अमेरिकी सेना का सबसे प्रमुख यूएवी ड्रोन है, जो 27 घंटे से ज्यादा 50,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इसमें 1,700 किलोग्राम पेलोड क्षमता है।अमेरिका के 3 एफ-15 लड़ाकू विमान पिछले दिनों कुवैत में गिर गए थे। बाद में बताया गया कि इन्हें कुवैत सेना द्वारा गलती से मार गिराया गया था। हालांकि, विमान में सवार सभी 7 चालक दल के सदस्य सुरक्षित बच गए। इसके बाद इराक के ऊपर विमान से विमान में ईंधन भरने वाला बड़ा अमेरिकी केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

ईरान को लगा एक और बड़ा झटका, इजरायली हमले में मारे गए आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद

तेहरान,(आरएनएस)। इजरायल-अमेरिका के साथ ईरान की जंग जारी है। इस जंग के बीच ईरान को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल, लगातार हो रहे हमलों के बीच आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद की मौत होने की खबरें सामने आ रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इजरायल के हमले में अली मोहम्मद की मौत हो गई हैं। ईरान ने भी अली मोहम्मद की मौत की पुष्टि कर दी है। बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग का आज 21वां दिन है। हर दिन ये जंग और भीषण होती जा रही है। हाइफा शहर पर ईरान के हमले का इजरायल ने करारा जवाब दिया है।

इजरायल ने तेहरान पर एक के बाद एक कई हमले किए हैं, जिससे पूरा तेहरान थर्रा गया है। तेहरान से इजरायली हमले का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें बड़ा धमाका होता दिखाई दे रहा है। दावा है कि इजरायली मिसाइल लगातार तेहरान को टारगेट कर रही हैं, जहां तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। इससे पहले गुरुवार रात ईरान ने 4 खाड़ी देशों पर जबरदस्त स्ट्राइक की। ईरान ने दुबई, बहरीन, कुवैत और यूएई पर हमले किए हैं। दुबई सरकार ने इन हमलों की पुष्टि कर दी है। वहीं बहरीन में ईरान के हमले से एक गोदाम जलकर खाक हो गया। खाड़ी देशों में लगा अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को नाकाम करने में लगा है। दरअसल, इजरायल ने पहली बार कैस्पियन सागर में ईरान के नौसैनिक ठिकानों पर हमला किया है। इस हमले में मिसाइल जहाज, और कमांड सेंटर तबाह कर दिए गए हैं। ईरान का ये इलाका रूस के बॉर्डर के पास है। वहीं इस रास्ते से जो भी सामान मॉस्को भेज रहा था, अब उसकी सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

खेल समाचार

अजीत अगरकर ने बीसीसीआई से विश्व कप 2027 तक अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में टी-20 विश्व कप 2026 जीता था, जबकि पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाया था। टीम के अच्छे प्रदर्शन के बीच भारतीय चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर ने अपने कार्यकाल को बढ़ाने की मांग की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगरकर ने वनडे विश्व कप 2027 तक इस पद पर बने रहने की गुजारिश की है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

अगरकर जून 2023 से इस पद पर मौजूद हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने 2025 आईपीएल से पहले उनके समय को 1 साल के लिए बढ़ाया था और जून 2026 में उनके कार्यकाल का समापन होना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल अगरकर के बाद इस पद के लिए कोई बड़ा चेहरा नहीं है। ऐसे में अब गेंद बीसीसीआई के पाले में हैं कि वह अगरकर को बरकरार रखते हैं या नए चेहरे को मौका देते हैं।

खबरों के अनुसार, अगरकर की गुजारिश को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। ऐसी भी खबर है कि वेस्ट जोन के पूर्व भारतीय खिलाड़ी अगरकर की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे थे, लेकिन इस मामले में भी फैसला नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि यह मांग टी-20 विश्व कप 2026 जीत के ठीक बाद की गई है, जिससे फैसला अगरकर के पक्ष में जा सकता है।

अगरकर के कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम ने 3 आईसीसी ट्रॉफी (टी-20 विश्व कप 2024 और 2026, चैंपियंस ट्रॉफी 2025) जीती हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में टीम ने निराश किया है। भारत ने घर पर खेलते हुए लगातार 2 टेस्ट सीरीज गंवाई। इसके साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम ने निराश किया था। इन शिकस्तों के चलते ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र के फाइनल में नहीं पहुंच सकी थी।

आईपीएलः एक संस्करण में 60+ की औसत और 160+ की स्ट्राइक रेट से 600+ रन

नईदिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में अब तक सिर्फ एक बार किसी बल्लेबाज ने संस्करण में 900 रन का आंकड़ा पार किया था। विराट कोहली (973 रन, 2016) ऐसा कारनामा कर चुके हैं। हालांकि, कई बल्लेबाज एक संस्करण में 600 रन का आंकड़ा पार करने में सफल हुए हैं। इस बीच एक संस्करण में 60+ की औसत और 160+ की स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

पूर्व कैरेबियाई दिग्गज क्रिस गेल को 2011 संस्करण में आरसीबी से खेलते हुए ऑरेंज कैप मिली थी। आईपीएल 2011 में उन्होंने 12 मैचों में 67.55 की औसत और 183.13 की स्ट्राइक रेट से 608 रन बनाए थे। उस संस्करण में आरसीबी की टीम फाइनल में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हारकर उपविजेता रही थी। खिताबी मैच में गेल अपना खाता भी नहीं खोल सकी थी और चेन्नई सुपरकिंग्स ने 58 रन से मैच जीता था।

आईपीएल 2012 में भी गेल का बल्ला खूब चला था। उन्होंने आरसीबी से ही खेलते हुए 14 परियों में 61.08 की औसत और 160.74 की स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने एक शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे। 2012 में आरसीबी की टीम अंक तालिका में 5वें स्थान पर रही थी।

मेसी-रोनाल्डो के बाद अब नेमार और रूनी में छिड़ी 'जंग'! आंकड़ों ने खोल दी पोल, जानिए कौन है असली सिकंदर

नईदिल्ली,(आरएनएस)। खेल की दुनिया में दिग्गजों के बीच 'कौन बेहतर है' की बहस कोई नई बात नहीं है। सालों तक फुटबॉल फैंस लियोनेल मेसी की कलात्मकता और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की फुर्ती को लेकर आपस में भिड़ते रहे हैं। लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक नई और दिलचस्प जंग छिड़ गई है। यह ताजा विवाद इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर वेन रूनी और ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार को लेकर है, जिसने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है।

पॉडकास्ट के एक बयान से सोशल मीडिया पर मचा बवाल

जिन लोगों को लग रहा है कि रूनी और नेमार के करियर में तो कोई सीधा संबंध नहीं है, तो आखिर यह बहस शुरू कहां से हुई, उन्हें बता दें कि इसकी जड़ में वेन रूनी का एक हालिया बयान है। दरअसल, 'द ओवरलैप' पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान वेन रूनी ने नेमार को मेसी और रोनाल्डो की लीग में रखने से साफ इनकार कर दिया। बात यहीं खत्म नहीं हुई, रूनी ने यह भी कह दिया कि वह नेमार को कभी 'टॉप टॉप प्लेयर' नहीं मानते। रूनी की इसी बेबाक टिप्पणी के बाद फैंस के बीच यह बहस तेज हो गई कि आखिर नेमार और रूनी में से असली बॉस कौन है।

क्या मेसी और रोनाल्डो को पछाड़ सकते थे नेमार?

पिछले कई सालों से फुटबॉल जगत में नेमार को मेसी और रोनाल्डो के बाद पिछली पीढ़ी का तीसरा सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता रहा है। अपनी शानदार स्किल्स, गोल करने की अचूक क्षमता और सटीक पासिंग के दम पर नेमार ने अपने सुनहरे दौर में पूरी दुनिया का दिल जीता। हालांकि, चोटों और विवादों से घिरे रहने के कारण नेमार कभी अपनी उस पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाए, जिसकी उनसे उम्मीद थी। कई खेल पंडित मानते हैं कि अगर चीजें सही रहतीं, तो वह अपने प्राइम में मेसी और रोनाल्डो को भी पीछे छोड़कर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकते थे।

आंकड़ों ने बताया कौन है फुटबॉल का असली बॉस

जब बात इन दोनों दिग्गजों के आंकड़ों की आती है, तो तस्वीर बिल्कुल साफ हो जाती है और यहां नेमार, वेन रूनी को मीलों पीछे छोड़ देते हैं। नेमार ने अब तक अपने क्लब और देश के लिए 750 से अधिक मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 400 से ज्यादा गोल दागे हैं और 250 से अधिक असिस्ट किए हैं। दूसरी तरफ, वेन रूनी ने अपने पूरे करियर में 800 से ज्यादा मैच खेलकर 350 से अधिक गोल किए और 170 से ज्यादा असिस्ट दिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि रूनी फुटबॉल के एक महान लेजेंड हैं, लेकिन जब बात नंबर गेम की आती है, तो नेमार ने रूनी को स्पष्ट रूप से पछाड़ दिया है।

थरूर को याद आई गंभीर की बात, सैमसन को अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (ए)। आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही बल्लेबाज संजू सैमसन छाये हुए हैं। संजू की प्रशंसा करते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि एक बार उनसे टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उसे दूसरा महेंद्र सिंह धोनी बनने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह अपने में ही खास है और उसे संजू सैमसन ही बने रहना चाहिये।

थरूर ने कहा कि तब उन्होंने बातचीत के दौरान गंभीर से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। वहीं अब थरूर ने गंभीर की इस बात को याद करते हुए विश्वकप में संजू की बल्लेबाजी के अंदाज को सराहा है। थरुर का कहना है कि वह क्लब क्रिकेटर के तौर पर करियर की शुरुआत से ही सैमसन को पसंद करते हैं। अब जबकि उसने इतनी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है कि उन्हें उसपर गर्व होता है।

उन्होंने कहा, मैं उससे तब मिला था जब वह 14 साल का था, वह एक युवा क्लब क्रिकेटर था। वह देखने में भले ही कमजोर लगता था पर मन से काफी मजबूत था। उसमें जबरदस्त प्रतिभा थी। वह उस समय से ही विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों कर रहा था। थरूर ने कहा, मैंने तब सैमसन से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। इस बात को जब मैंने गंभीर से कहा, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, उसे अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं है, वह अपने में ही विशेष है, उसे सैमसन ही बने रहना होगा। और से बात सही साबित हुई है।

आईपीएल 2026ः दिल्ली कैपिटल्स ने आयरलैंड के जॉन मूनी को अपना फील्डिंग कोच बनाया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने आयरलैंड के पूर्व खिलाड़ी जॉन मूनी को अपना फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। मूनी एशिया कप 2026 के दौरान अफगानिस्तान के साथ काम करते हुए नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने वेस्टइंडीज की टीम के साथ भी कोचिंग की है। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान की शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 1 अप्रैल को होने वाले मैच से करेगी।

दिल्ली कैपिटल्स ने औपचारिक रूप से ऐलान किया है। इसके साथ ही मूनी दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच हेमांग बदानी की अगुवाई वाले कोचिंग दल में शामिल हो गए हैं। इस टीम के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल हैं और असिस्टेंट कोच की भूमिका में इयान बेल हैं। इनके अलावा वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे केविन पीटरसन आईपीएल 2026 में टीम के साथ नहीं रहेंगे। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 वनडे खेले थे, जिसमें 23.48 की औसत और 79.25 की स्ट्राइक रेट के साथ 963 रन बनाए थे। दूसरी तरफ गेंदबाजी में 48 विकेट लिए थे। जब वनडे विश्व कप 2011 में आयरलैंड ने इंग्लैंड को हराकर उलटफेर किया था, तब मूनी उस आयरिश टीम के प्रमुख सदस्य थे।

युशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रॉयल्स की जिम्मेदारी

मुम्बई (ए.)। आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रॉयल्स के पास उभरते क्रिकेटर युशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खेलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्मत प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायें। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रॉयल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शॉट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी ओर विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे ओर भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका। यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीक के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की ज़िम्मेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी: 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रॉयल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

पुण्य स्मरण से सौभाग्य बदलता है और प्रारब्ध के दोष दूर हो जाते हैं-आचार्य पं सोमेश परसाई

पंडित रामलाल शर्मा पुण्य स्मरण सभा में हुई भजनांजलि, अर्पित की पुष्पांजलि

नर्मदापुरम (निप्र)। पुण्य स्मरण से सौभाग्य बदल जाता है, प्रारब्ध के दोष दूर हो जाते हैं। जिनके नाम में राम जुड़ जाता है वह धर्म और समाज में उनका अलग ही प्रभाव रहता है। शिक्षाविद न्यायविद पं रामलाल शर्मा कक्काजी एक संत की तरह रहे हैं और संत का कभी अंत नहीं होता है। उनके सुपुत्रों में उनके पूरे परिवार में उनके दिए हुए संस्कार की झलक दृष्ट्रव्य होती है। यह उद्गार धर्माचार्य पं सोमेश परसाई ने नर्मदा महाविद्यालय में पं रामलाल शर्मा की भव्य प्रतिमा के समक्ष आयोजित पंडित रामलाल शर्मा पुण्य स्मरण सभा में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपने संबोधन में व्यक्त किए।

कक्काजी सच्चे अर्थों में कर्मयोगी थे- डॉ रामकुमार चौकसे

नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामकुमार चौकसे ने कहा कि कक्काजी सच्चे अर्थों में कर्मयोगी थे। उनकी कर्मशीलता, धर्मपरायणता, समाजसेवा, व शिक्षा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्पद है। उनके द्वारा जो नर्मदा महाविद्यालय की स्थापना की जिसमें शिक्षा लेकर अनेक छात्रों ने अध्ययन करते हुए श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किए हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि इस महाविद्यालय में सेवा देने का कार्य कर रहे हैं।

कक्काजी युगदृष्टा व युगसृष्टा थे- डॉ केजी मिश्र

हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ केजी मिश्र ने कहा कि वास्तव में कक्काजी युगदृष्टा व युगसृष्टा थे। सच्चे अर्थों में मनुष्य थे। न्याय के मर्म को जानते थे। उनमें उदारता के भी अद्रभुत गुण थे। सर्व समर्थ थे। किसानी और किसानों के हित को भी वह बखूबी निभाते थे।

दादाजी में अदम्य शक्ति समाहित थी-डॉ वैभव शर्मा

डॉ वैभव शर्मा ने कहा कि दादाजी को मैने देखा तो नहीं लेकिन उनके बारे में जो बताया जाता है उनमें अदम्य शक्ति थी। बहुमुखी प्रतिभा के साथ सर्वजन हितेषी थे। डा हंसा व्यास ने पं शर्मा के द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों के बारे में स्मरण किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उससे पूर्व भजनांजलि का कार्यक्रम हुआ। जिसमें श्रद्धा साई व प्राणकृष्ण साई ने अपनी भजनों की प्रस्तुति दी। पुण्य स्मरण सभा में मप्र के पूर्व मुख्य सचिव कृपाशंकर शर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा, पूर्व विधायक पं गिरिजा शंकर शर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वर्तमान विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता शंकर लाल पालीवाल, एसएस ठाकुर, राकेश फौजदार, पूर्व प्राचार्य डॉ ओएन चौबे, डॉ एलएल दुबे, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, पियूष शर्मा, अरूण शर्मा, उपाध्यक्ष अभव वर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद सोनी, खेमचंद यादवेश, प्रशांत दुबे मुन्नू भाई, शफीक खान, पत्रकार बलराम शर्मा, केके अग्रवाल, गोविंद राय, अनुराग गोलू तिवारी, के साथ ही नर्मदा महाविद्यालय के प्रोफेसर, एनईएस शिक्षा महाविद्यालय, पं रामलाल शर्मा स्कूल के प्राचार्य शिक्षक गण, पार्षद पूर्व पार्षद गण, शहर के अनेक अधिवक्ता समाजसेवी, बड़ी संख्या में नारीशक्ति व नागरिक शामिल रहे। अंत में सभी ने दो मिनिट मौन रखकर श्रद्वाजंलि दी। संचालन डॉ हंसा व्यास ने किया।

श्री गौड़ मालवीया बढ़ई सुतार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन इंदौर में

समाज कल्याण संगठन के पदाधिकारियों ने समाज को दिया न्यौता

नर्मदापुरम (निप्र) । श्री गौड़ मालवीया बढ़ई सुतार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन इंदौर में अक्षय तृतिया के पावन अवसर पर 20 अप्रैल को आयोजित हो रहा है। इस संबंध में इंदौर से संगठन के पदाधिकारियों में शामिल गौरी शंकर आसापुरे, ओमप्रकाश मालवीया, प्रदीप मालवीया व गौरी शंकर मालवीया ने आकर संगठन की नर्मदापुरम ईकाई को मां अहिल्ला की नगरी इंदौर में आने का न्यौता दिया। नर्मदापुरम ईकाई के सचिव रामविलास मालवीया, व संयोजक धनराज मालवीया ने इंदौर से आए पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर डीपी मालवीया, विनोद मालवीया, प्रेमनारायण मालवीया, दौलतराम विश्वकर्मा, फूलचंद मालवीया,राजू मालवीया,गोलू मालवीया, सुनील मालवीया,गेंदालाल विश्कर्मा, दिनेश कुमार विश्वकर्मा सहित अनेक लोग शामिल रहे।

एटीएम उपभोक्ता बीमा राशि से बंचित

नर्मदापुरम। एटीएम उपभोक्ता की मृत्यु हो जाने पर संबंधित कंपनी द्वारा लगभग 5 लाख रुपए की बीमा राशि देने का प्रावधान है। परंतु बैंक द्वारा इस प्रकार के प्रावधानों का ना तो प्रचार प्रसार किया जाता और ना ही नोटिस बोर्ड पर चश्मा किया जाता है। जिसके कारण उपभोक्ता उक्त लाभ से वंचित रहता है जब विषय अंतर्गत आवेदन देता है तो बैंक के वकील द्वारा 90 दिन एवं बैंक के द्वारा 45 दिन के अंदर आवेदन देने का प्रावधान लिखकर आवेदन वापस कर दिया जाता है।

नियमों में होना चाहिए संशोधन-अरूण दीक्षित

बैंक की इस कार्य प्रणाली के विरुद्ध वरिष्ठ समाजसेवी अरुण दीक्षित ने उपभोक्ता फोरम में प्रकरण दायर किया इसके साथ ही विगत दिवस उपभोक्ता दिवस पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मुख दीक्षित द्वारा नॉमिनी का नाम एक्टिवेट नहीं किए जाने बीमा लोन होने उपरांत उपभोक्ता की मृत्यु हो जाने पर बैंक द्वारा वसूली के लिए नोटिस दिया जाना प्रताड़ित किया जाना भी अनुचित है जबकि दीक्षित द्वारा देहात थाने में जिला कलेक्टर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है शासन एवं सरकार को अभिलंब कार्रवाई की जाना चाहिए। तथा बेतुके नियमों को बदलकर उपभोक्ता व उनके नामिनी को लाभ दिया जाना चाहिए। सारे नियम उपभोक्ताओं पर ही क्यों लादे जाते हैं। बैंकों पर भी नियम लागू होने चाहिए। जिससे बैंक खातेदारों, उनके परिजनों व आम लोगों को राहत मिल सके।

नगर पालिका की बिल्डिंग का ही अतिक्रमण नहीं हटा पा रही सीएमओ

नर्मदापुरम (निप्र) । नगर पालिका की सीएमओ भले ही किसी के संरक्षण में यहां पर कार्यरत हो पर उनका कार्यकाल अच्छी कार्यप्रणाली में नहीं गिना जाएगा। शहर हित में उनके द्वारा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किए जा रहे हैं। साफ सफाई व्यवस्था हो, पेयजल हो, शहर की सड़कों की हालत, मुख्य मार्ग, चौराहों के अतिक्रमण, हर कहीं अतिक्रमण, यहां तक कि नपा की खुद की बिल्डिंग में के अतिक्रमण हटाने में उन्हें बहुत दिनों से सोचा विचारी करनी पड़ रही है। नगर पालिका प्राचीन बिल्डिंग मुखर्जी काम्पलेक्स में एक बार हटाए जाने के बाद चुनौती देते हुए सरेआम अतिक्रमण करके जीना लगाए हुए एक पखवाडे से अतिक्रमण किया हो। उसकी जानकारी सीएमओ को नहीं हो ऐसा भी नहीं है यहां तक कि जिला प्रशासन की जनसुनवाई में तथा सीएम हेल्पलाइन में भी मामला लगा हो। स्वयं सीएओ ने जीने का अवलोकन कर लिया हो। हटाने के लिए अमले को भेज दिया था उसके बाद दूसरे दिन तोड़ने का कहकर अमले को वापस बुला लिया हो तब नगर पालिका से शहर के अन्य अतिक्रमण को हटाने की क्या उम्मीद की जा सकती है। दूसरी अन्य व्यवस्थाएं कैंसे सुधर पाएंगी। जब इतनी सी समस्या हल करने में ही कई दिन लगा दिए हों। अतिक्रमण भी आवासीय क्षेत्र को व्यवसायिक बनाने का है। यह सब जानकारी नगर पालिका, के साथ जिला प्रशासन व अब तो मामला सीएम हेल्पलाइन तक पहुंचा हुआ है। उसके बाद भी वह समस्या ज्यों कि त्यों बनी हुई है। जिससे अनेक व्यापारियों को तथा मुखर्जी काम्पलेक्स के नागरिकों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के द्वारा पूरी जानकारी सीएमओ तथा जिला प्रशासन तक पहुंचाए हुए 15 दिन से अधिक हो चुके हैं। लेकिन जिला प्रशासन भी मूक दर्शक बना हुआ है।

शहर का क्या खाक हटा पाएगी, नगर में बढ़ती जा रही हैं अव्यवस्थाएं

सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सशक्त उपाय है एचपीवी वैक्सीन

जिले में में 20 मार्च को 640 बालिकाओं ने लगवाया टीका

नर्मदापुरम (निप्र) । महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे बचाव के उद्देश्य से जिले में विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को आयोजित टीकाकरण सत्र में 640 बालिकाओं ने एचपीवी का टीका लगवाकर सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक नर्मदापुरम जिले में 14 से 15 वर्ष आयु की 3278 बालिकाओं ने एचपीवी वैक्सीन का डोज लगवाया है। सभी बालिकाएं पूरी तरीके से स्वस्थ हैं तथा किसी भी प्रकार की कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या उन्हें वैक्सीन के बाद नहीं हुई है। महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के समन्वित प्रयासों से इस अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बालिकाएं इसका लाभ ले सकें।

देवी भागवत कथा सुनने से जीवन में अभ्युदय हो जाता है-आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज

नैनादेवी, मनसा देवी और ब्रम्हचारिणी देवी की कथा सुनकर श्रोता हुए भावविभोर

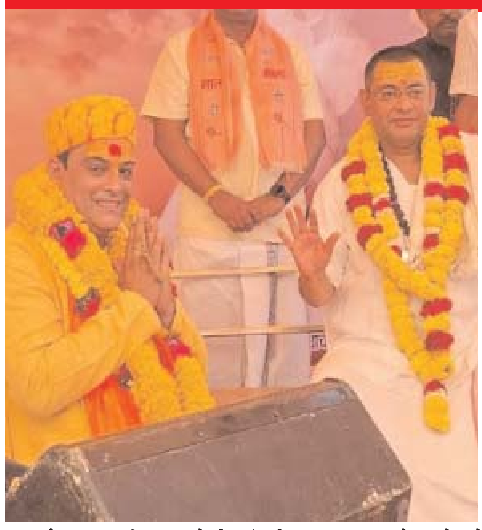

नर्मदापुरम (निप्र) । देवी मां की आराधना करने वाले को भय नहीं रहता है अभयदान मां जगदंबा देती हैं। परा शक्ति मां परंबा सर्व समर्थ हैं। आप सभी श्रद्धालु भाग्यवान हैं जो मां नर्मदा के पावन तट नर्मदापुरम में देवी भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। देवी भागवत कथा सुनने से जीवन में अभ्युदय हो जाता है। यह अमृत उदगार दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा आयोजित देवी भागवत कथा के द्वितीय दिवस राजराजेश्वरी बाराही धाम डुंगारिया जिला सीहोर से पधारे सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक पं जितेन्द्रिय महाराज (बशिष्ठ) ने व्यक्त किए। आचार्य पं जितेंद्रिय महाराज ने कहा कि इस बार नवरात्र में मां पराशक्ति पालकी पर सवार होकर आई हैं। नवरात्र में मां की आराधना विशेष फलदायी होती है। आप सभी की जिंदगी के नौ दिन जीवन में आनंद से ओतप्रोत करने वाल हैं। महाराजश्री ने कथा के दूसरे दिन नैना देवी मनसा देवी तथा ब्रम्हचारिणी देवी की कथा का वर्णन किया। आचार्यश्री ने कहा कि इन नौ दिनों में देवी के विभिन्न रूपों शक्तिपीठों का वर्णन करेंगे। उन्होंने कहा कि देवताओं का वास भोजन में तथा पितरों का वास जल में होता है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने देवी भागवत पुराण की पूजन अर्चन व व्यासगादी पर विराजमान महाराज श्री का स्वागत सत्कार किया। दूसरे दिन कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। संगीतमय कथा के दौरान भजनों के समय श्रद्धालु नृत्य करके आनंदित हो रहे हैं। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक जारी रहती है।

समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे माता महाकाली मंदिर के पुजारी आचार्य पं कृष्ण कुमार शुक्ला, पं आनंद शुक्ला, पत्रकार बलराम शर्मा, समिति सदस्य प्रदीप शिवहरे नारायण वर्मा, सुनील राठौर, बसंत पांडेय, पवन शर्मा, नीरज मालवी, अतुल मौर्य, जयसिंह राजपूत, लकी ठाकुर, सोनू विश्वकर्मा, वरूण दीवान, नितिन मौर्य, उज्जवल सिंह, पियूष वर्मा, विनोद रैकवार, अशोक रैकवार, मयूर शिवहरे, नारी शक्ति में मधु शिवहरे, समता विनोदिया, शोभा भिलारे, क्षमता विनोदिया, बिनीता गढ़वाल, शीला रैकवार, रितु राठौर, मोनिका शिवहरे, कविता शिवहरे, विशाखा विनोदिया, व अन्य सभी सदस्यों ने श्रद्धालुओं से इस अनुष्ठान में शामिल होने का आग्रह किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जनजागरूकता व श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेशभर में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में माखननगर के सेक्टर क्रमांक 02 अंतर्गत नवांकुर संस्था एक्सीलेंस आर्यन सेवा समिति द्वारा ग्राम समौन में संगोष्ठी आयोजित कर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में सिवनी मालवा क्षेत्र में नवांकुर संस्था दिशा जन कल्याण सेवा समिति कोलगांव द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान बावड़ी की साफ-सफाई कर अभियान की शुरुआत की गई। वहीं ग्राम भमेड़ी में नवांकुर संस्था जीवनदायनी समाज सेवा समिति गाजनपुर के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर जल संचयन के लिए ग्राम वासियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीणों की सहभागिता रही।

अभियान के तहत आगामी 30 जून तक कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन हेतु विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मांगरोल में तिलबहरी नाले पर बोरी बंधान का कार्य कर वर्षा जल संचयन की दिशा में पहल की गई। अभियान जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संपूर्ण नर्मदापुरम जिले में सतत रूप से जारी है तथा 30 जून तक चलने वाले इस अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र0 13/2026/e-Tender/N.Puram दि0 17/03/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

स0 क्रं0	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_491675	नर्मदापुरम	भवन कार्य	पिपरिया न्यायालय भवन में विकलांग व्यक्तियों के लिए शौचालय का निर्माण।	द्वितीय	3.196	6392/-
				योग (रू0 लाख में)		**3.196**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 31/03/2026 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन0आई0टी0 एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। **मूल एफ0डी0आर0 एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त** किए जावेंगे।

जी/27702/25

कार्यपालन यंत्री,
लो0नि0वि0 संभाग नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com